Author: Sunil Jain

चाची की चुदाई

अपने पेरैंटस के जाने के बाद मैं अपने चाचा, चाची और उनकी बेटी (मेरी कज़िन बहन) के साथ रहता था। मेरी उम्र उस समय 20 साल की थी और मेरी चाची 40 साल की थी और उनकी बेटी ने अभी अभी अपने 19 साल पूरे करे थे। आपको बता दूँ की मेरी मीना चाची का बदन बहुत ही मादक और मस्त है। उसकी चूची ३८ साईज की है। पतली कमर और बहुत ही प्यारे प्यारे मोटे मोटे चूतड़ ४२ साइज के हैं। जिसको देख के किसी का भी लन्ड तन जाए और मेरी बहन जो बस जवान ही हुई थी, एक दम अपनी माँ की तरह मस्त दिखने लगी थी। उसने अभी साल भर से ही अपनी ३२ साइज की चूचि को ब्रा में बँद करना चालू करा था और जब वोह स्कूल ड्रैस में स्कर्ट पहन कर आती थी, मैं हमेशा कोशीश कर के उसके सामने ही बैठा करता ताकि मुझे उसकी चिकनी जाँघें और चड्डी में कसी चूत का उभार और चूतड़ दिखें। मैं हमेशा इस फिराक में रहता था की मुझे एक बार अपनी मीना चाची और सोनिया बहन पूरी नंगी देखने को मिल जायें। जब शाम को चाची साड़ी ब्लाउज में बैठ कर व्हीस्की पीती थी और स्मोक करती थी तो मेरा लन्ड कस कर अकड़ जाता था। दोस्तों आपने कभी साड़ी वाली औरत को व्हीस्की और सिगरेट पीते हुए देखा है की नहीं? इतना मस्त सीन होता है की इच्छा करती है की वहीं साली की साड़ी उठा के लन्ड पेल दें। मैं उन दोनों माँ–बेटी को सिर्फ देख कर ही मस्त हो जाता था और बाथरूम में जा कर उनकी उतरी हुई ब्रा और चड्डी, जिस में से उनकी मस्त चूत और चूची की खुशबू आती थी और कभी चाची की ऊँची ऐड़ी वाली सैंडल जिन में से उनके पैरों के पसीने की महक आति थी, खूब सूँघता हुआ मुठ मारता था। मीना चाची की चड्डी में हमेशा मादक सूगंध आती थी और सोनिया की चड्डी में उसकी ताजी चूत की खुशबू मैं सूँघता था और उनकी ब्रा, चड्डी और सैंडलों को चाट चाट कर अपने लन्ड को ठंडा करता था।

Devnagari Script By - SINSEX

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

बात एक दिन की है, मेरा लन्ड रात को अचानक खड़ा हो गया और मेरी इच्छा हुई की मैं मीना चाची के बाथरूम में जा कर उनकी चड्डी और ब्रा सूँघ कर मुठ मारूँ। मैं चुप–चाप बाथरूम की और जाने लगा तो मुझे मीना चाची के कमरे से हल्की सी लाइट और कुछ आवाज़ सुनाई दी। मैं भी धड़कते दिल से चाची के दरवाजे से कान लगा कर सुनने लगा। अन्दर मीना चाची चुदाई में मस्त हो कर चाचा को बहनचोद और मादरचोद की गालियाँ दे रही थी। मुझसे रहा नहीं गया। मैंने सोचा यह मोका है जब मैं मीना चाची को पूरा नंगा और चुदते हुए देख सकूँगा, और मैं सीधा बालकोनी की और गया क्योंकी मुझे मालूम था वहाँ की खिड़की पर पर्दा नहीं है और वहाँ से मुझे सब दिखाई देगा। मैं चुप चाप दबे पैरों से बालकोनी में गया और अंदर का सीन देख कर तो मुझे जैसे मन की इच्छा मिल गयी। मीना चाची अपनी दोनों टांगों को फैला कर लेटी हुई थीं और एक हाथ से सिगरेट पी रही थीं और चाचा उनकी चूत में भीड़ा हुआ था। मीना चाची कह रही थी "मादरचोद कभी तो मेरी चूत को ठंडा करा कर, बस भोसड़ि वाले अपना लन्ड डाल कर अपने आप को ठंडा कर लेता है। आज मादरचोद अगर तूने मेरी चूत को ठंडा नहीं किया तो मैं बज़ार में रंडी बन कर चुदवाऊँगी।" चाचा भी अपनी और से पूरी ताकत लगा रहा था और कह रहा था कि "साली रंडी कितना चोदता हूँ तुझे पर तेरी चूत की प्यास ही खत्म नहीं होती और तेरा बदन इतना मस्त है की चार पाँच शॉट में ही मेरा लन्ड झड़ जाता है" और इतना बोलते–बोलते ही चाचा अपना लन्ड मीना चाची की चूत में झाड़ कर लुड़क गऐ। मीना चाची बोलती रहीं की "पता नहीं कब मेरी चूत की प्यास ठंडी होगी, ये गाँडु तो मुझे ठंडा ही नहीं कर पाता है। मेरी बड़ी इच्छा करी कि मैं अंदर जाऊँ और मीना चाची को पकड़ कर खूब चोदूं।

मैं अपना लन्ड हाथ में पकड़ कर वापस अपने कमरे की और चल दिया। रास्ते में सोनिया का कमरा पड़ता था। चाची की चुदाई देखने के बाद मेरा लन्ड फड़फड़ा रहा था। पता नहीं मैं किस ख्याल में सोनिया के कमरे में

घुस गया। मुझे जब ध्यान आया तो मैंने अपने आप को सोनिया के बिस्तर के पास खड़ा पाया। सोनिया इस समय अपनी नाईटी में आराम से सो रही थी जो उसके चुतड़ों को सिर्फ़ आधा ढके हुई थी। मेरे सामने अभी भी मीना चाची की चुदाई का सीन चल रहा था और इसी गर्मी में मैंने देखा कि सोनिया की मस्त चिकनी-चिकनी टाँगें और फुले हुए चुतड़ जो उसने चड्डी में छुपाऐ हुऐ थे। मुझ से रहा नहीं गया और मैं बिस्तर के साइड में हो कर उस्की चिकनी टाँगों को अपने होठों से चूमने लगा, और धीरे धीरे उसकी गाँड की दरार में अपने होंठ और नाक रख दी। जिस चुतड़ की खुशबू मैं चड्डी में सूँघता और चाटता था वही चुतड़ आज मैं असली में सूँघ रहा था और अपने होंठों से किस कर रहा था। इतने में सोनिया कुछ कुनमुनाई और मैं डर के मारे चुप चाप कमरे से निकल गया।

उस के बाद मैं बाथरूम गया और मीना चाची की चड्डी और ब्रा अपने रूम में ला कर सूँघते और चाटते हुए खूब मुठ मारी, और मैंने इरादा किया की एक बार मैं मीना चाची के साथ ट्राई तो मार के देखूँ, क्या पता, प्यासी चूत है, अपने आप ही मुझे चोदने को देदे। मुठ मारते मारते मैं मीना चाची की ब्रा अपने होंठों से लगा कर सो गया। अगली सुबह में मीना चाची ने मुझे झखझोड़ के जगाया और बोली "सुनील आज कालेज क्यों नहीं गया ? देख सुबह के दस बज रहे हैं, तेरे चाचा को तो आज सुबह महीने भर के लिये बम्बई जाना था, वो तो कभी के चले भी गये और सोनिया भी अपनी स्कूल ट्रिप के साथ जयपुर चली गई है, मैं भी थक रही हूँ, तू नहा धो के नाश्ता कर ले तो मैं भी थोड़ा लेटूँगी।" मैंने जल्दी से उठ कर सबसे पहले मीना चाची की चड्डी और ब्रा ढूँढी पर मुझे कहीं नहीं मिली। मेरी तो डर के मारे सिट्टी पिट्टी गुम हो गई, और मैं सोचने लगा की अगर चाची को पता पड़ गया तो चाची मेरी खूब पिटाई करेंगी।

मैं चुपचाप अपने सारे काम पूरे करके टीवी देखने बैठ गया और उधर चाची मुझे नाश्ता देकर अंदर जा कर लेट गयीं। थोड़ी देर बाद आवाज दे कर

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

मुझे अपने कमरे में बुलाया, और बोली "सुनील मेरा जरा बदन दबा दे"। उस समय मीना चाची सिर्फ़ ब्लाऊ और पेटीकोट में थीं और कहने के बाद पेट के बल हो कर उल्टी लेट गई। मीना चाची ने अपने ब्लाऊ का सिर्फ़ एक हुक छोड़ कर सारे हुक खोले हुए थे और अपना पेटीकोट भी कुछ ज्यादा ही नीचे कर के बाँधा हुआ था जिस से उनकी गाँड की दरार साफ नज़र आ रही थी। मेरे सामने वो चुतड़ थे जिसे सिर्फ़ देख कर ही मेरा लंड खड़ा हो जाता था और मीना चाची तो अपना पूरा बदन मेरे को दिखाते हुए मसलने को कह रही थी। मैं बिना देर करे चुप चाप चाची के साईड में बैठ कर धीरे धीरे उनका बदन दबाने लगा, उनके चिकने बदन को छूते ही मेरा लंड तन कर खड़ा हो गया और मैं डरने लगा की कहीं मीना चाची को पता नहीं चल जाए। जब पेटीकोट के ऊपर से मीना चाची के चूतड़ दबाए तो लंड एक दम मस्त हो गया। पेटीकोट के ऊपर से ही मीना चाची के चूतड़ दबा कर मालूम पड़ गया था कि गाँड वाकई में बहुत मोटी और तगड़ी थी। थोड़ी देर बाद चाची बोली "अरे सुनील, जरा तेल लगा कर जोर से जरा अच्छी तरह से मालिश कर।" मैंने कहा "चाची तेल से आपका ब्लाऊज़ खराब हो जाएगा, आप अपना ब्लाऊज़ खोल दो।" मीना चाची बोली "सुनील मैं तो लेटी हूँ, तू मेरे पीछे से ब्लाऊज के हुक खोल के साईड में कर दे।" मैं जिस मीना चाची को नंगा देखने को तरसता था और जिसके ब्रा चाटता था, उनके मैंने बड़े धीरे धीरे से ब्लाऊज के हुक खोले और अब चाची की नंगी पीठ पर सिर्फ़ काली ब्रा के स्ट्रैप दिख रहे थे। मैंने थोड़ा सा तेल अपने हाथों पर लेकर चाची की पीठ पर मलना चालू किया पर बार बार चाची की काली ब्रा के स्ट्रैप दिक्कत दे रहे थे। मैंने मीना चाची को बोला कि "चाची आपकी पूरी ब्रा खराब हो रही है और मालीश करने में भी दिक्कत हो रही है।" तब मीना चाची बोली कि "तू मेरे ब्रा के स्ट्रैप खोल दे।" मीना चाची के मुँह से यह सुन कर मेरा लंड तो झटके लेने लगा। मैंने भी बड़े ही प्यार से ब्रा के हुक खोल दिये। पहली बार इतने पास से मैं मीना चाची की चिकनी सुन्दर पीठ देख रहा था। मैं उस नंगी पीठ पर धीरे धीरे तेल से मालीश करने लगा।

Author: Sunil Jain
Devnagari Script BY SINSEX

थोड़ी देर बाद मीना चाची बोली “सुनील जरा मेरे नीचे भी मालीश कर दे।” मैंने कहा “चाची कहाँ करूँ,” तो मीना चाची बिना किसी शरम के बोलीं की “मेरे चुतड़ों की और किसकी।” मैंने भी सोचा मौका अच्छा है और मैंने कहा “पर उसके लिए तो आपका पेटीकोट उतारना पड़ेगा।” तब चाची बोली “जा कर अच्छे से पहले दरवाजा बंद कर आ।” मैं जल्दी से जाके दरवाजा बंद कर के आया तो देखा मीना चाची पहले से ही अपना पेटीकोट उतार कर पिंक चड्डी और काली ब्रा को अपने हाथों से दबाए, पेट के बल उल्टी बिस्तर पर लेटी हुई थीं। मैंने तेल लेकर धीरे धीरे चाची की मस्त टाँगों की और उन मस्ताने मोटे चूतड़ों की मालिश चालू कर दी। मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकता था की वो मीना चाची जिसका नाम लेकर मैं रात भर मुठ मारता था, एक दिन ब्रा और चड्डी में मेरे समने लेट कर मेरे हाथ से अपनी मालीश करवाऐंगी।

मालीश करते करते जब मैं मीना चाची की जाँघों पर पहुँचा तो मेरे हाथ बार बार चड्डी के ऊपर से मीना चाची की कसी हुई चूत की मछलियों से टच हो रहे थे जो मुझे एक अजीब तरह का आनन्द दे रहे थे। मुझे पता नहीं क्या सूझा, मैंने मीना चाची की चड्डी के साइड से अपनी एक उंगली धीरे धीरे अंदर डाली और मीना चाची की चूत पर उंगली फेरने लगा। मीना चाची की चूत एक दम बिना बाल की थी और उसकी साफ़्टनैस से मालूम हो रहा था की चाची शेव नहीं बल्कि हेयर रिमूवर से अपनी चूत के बाल साफ़ करती थीं। तभी अचानक चाची सीधी हुई और अपनी काली ब्रा को छोड़ के एक चाँटा मेरे गाल पर मार दिया और बोली “मादरचोद, तुझे शरम नहिं आती मेरी बूर में उंगली डालते हुए।” जब मीना चाची उठी उस समय उन्हें अपनी काली ब्रा का ध्यान नहीं रहा और ब्रा के हुक पहले से ही खुले होने के कारण चाची की वोह मस्त गोरी गोरी चूचीयाँ जिसपे भूरे रंग का बडा सा निप्पल था, मेरे सामने पूरी नंगी हो गई और मैं चाँटे की पर्वाह किए बिना मीना चाची की मस्त चूचीयाँ देखता रहा। मीना चाची ने भी उन्हें छुपाने की कोई कोशिश नहीं की, बल्कि एक और चाँटा मारते हुए बोलीं,

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By :SINSEX

“मादरचोद, बहन के लौड़े, तू मुझे क्या चूतिया समझता है, कल रात को मेरी चड्डी और ब्रा तेरे तकिये पर कैसे पहुँच गई, बता सच सच मदरचोद मेरी चड्डी और ब्रा के साथ क्या कर रहा था।” मैंने डरते–डरते बताया कि “कल रात को जब आपकी टाँगें उठा कर चाचा अपने लंड से आपकी चूत मार रहे थे, उस समय मैंने आपको देखा था और पता नहीं आप उस समय इतनी सुन्दर लग रही थीं कि बाथरूम में जा कर आपकी चड्डी और ब्रा लेकर अपने बिस्तर पर आ गया और आपकी चड्डी और ब्रा को सूँघते हुए और चाटते हुए अपने हाथ से मैंने खूब मुठ मारी।” इस पर चाची ने एक चाँटा और मारा और बोलीं, “उस मादरचोद की लुली को लंड बोलता है और बहनचोद मुझे तो तूने नंगा देख लिया चुदवाते हुए, अब तू अपने कपड़े उतार के मेरे समने पूर नंगा हो के दिखा, मैं देखूँ तो सही आखिर तेरी लुली है या लंड।” उस समय चाची की चूचियाँ देख कर मेरा लंड पूरा तना हुआ था। मीना चाची ने आगे बढ़ कर अपने लिये एक सिगरेट जलाई और मेरा पायजामा खोल दिया और मेरा सढ़े आठ इन्च लम्बा और ढाई इन्च मोट लौड़ा मीना चाची की आँखों के सामने झूलने लगा। मीना चाची की आँखें फैल गयीं और वोह बस इतना ही बोली “मादरचोद इनसान का लंड है की घोड़े का, अभी तक कहाँ पर छुपा के रखा था, पहले क्यों नहीं दिखाया, इस लंड को देख कर तो कोई भी औरत नंगी हो कर अपनी चूत उछाल–उछाल कर चुदवायेगी” और बालते बालते मेरे लंड को चाची ने अपने हाथ में ले लिया और बड़े प्यार से अपना हाथ आगे पीछे करते हुए उसे देखने लगी। दोस्तों पहली बार जब कोई औरत आपका लंड पकड़ती है और जो मस्ती बदन में चड़ती है वोह मैं आपको बता नहीं सकता। मेरी ज़िंदगी में वोह पहली औरत का स्पर्श था जो मेरे लंड को मिल रहा था, और वो भी उस औरत का जिसको याद कर–कर के मैं कितनी बार मुठ मार चुका था। इस से पहले कि मैं कुछ बोल पाता, मेरे लंड से पिचकारी निकली और मीना चाची के होंठों और नंगी चूचियों पर जा कर पसर गयी। मीना चाची अब बड़े प्यार से बोलीं, “मां के लौड़े बहनचोद तू तो एक दम चूतिया निकला, मैं तो समझ रही थी की मेरी ब्रा खोल कर और मुझे चड्डी में देख

कर शायद तू मेरे साथ जबर्दस्ती करके मेरी चुदाई करेगा, पर मुझे तू अब माफ कर दे, जब तूने मुझे अपनी बाहों में लेकर चोदा नहीं तो मैंने गुस्से में तेरी पिटाई कर दी, पर क्या करूँ इतने साल हो गये हैं मेरी चूत को ठंडा हुए, रोज़ अपने आप ही वाइब्रेटर दाल कर ठन्डी करती हूं पर असली मर्द से चुदने की ख्वाहिश मन में ही रह जाती है।"

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

"आज जब मैं सुबह तेरे कमरे में गयी और अपनी चड्डी और ब्रा से तेरा मुँह ढका पाया तो मैं समझ गयी की तू मेरे सपने देख कर मुठ मारता है, इसी बहाने से मैंने आज तुझे मालिश के लिये बुलाया था, पर तेरा घोड़े जैसा लंड देख कर तो मैं पागल हो गयी हूँ, ऐसे लंड के तो मैं सिर्फ़ सपने ही देखती थी, और तू भी अब चूत लेने के लिये तैयार है, चल आज से सपने देखना बंद कर, और बता अपनी चाची की चूत चोदेगा।" मेरे तो जैसे मन की मुराद पूरी हो गै। मैं पहले तो हक्का बक्का खड़ा रहा और बाद में मैंने कुछ झिझकते हुए कहा, "चाची जब से मेरा लन्ड खड़ा होना चालू हुआ है तब से मैंने सिर्फ़ आपको याद कर के मुठ मारी है, मैं हमेशा ही आपको सपने में बिना कपड़ों के नंगी, सिर्फ़ ऊँची हील्स वाली सैंडल पहने हुए इमैजिन करता था और आपके मोटे चूतड़ और चूचीयों को इमैजिन करता था, मैंने मुठ तो बहुत मारी है पर मुझे चोदना नहीं आता, तुम बताओगी तो मैं बहुत प्यार से मन लगा कर तुमको चोदूँगा।"

चाची बोलीं "सुनील अब तेरा लंड देखने के बाद ही मैं तो तेरी हो गयी और चुदाई तो मैं खूब सीखा दूँगी, पर तुझे मेरी हर बात माननी होगी और अगर तूने मुझे मस्त कर दिया तो मैं तुझे जो तू इनाम मांगेगा तुझे दूँगी, और ध्यान रहे ये बात किसी को मालूम नहीं होनी चाहिए।" अब हम दोनों के बीच कोई शरम या पर्दा नहीं रह गया था. चाची ने कहा "आज से तू और मैं जब भी अकेले होंगे, तू मुझे सिर्फ़ मीना बुलाना और अब मुझे अपनी बाहों में भर कर मेरे होंठ चूसते हुए मेरे चूतड़ मसल।" मैंने भी इतने दिनों की मुठ मारने के बाद मिला चाची का नंगा बदन अपनी बाहों में पकड़

Author: Sunil Jain

कर उठा लिया और नंगी मीना चाची को अपनी बाहों में भर कर उनके नरम–नरम होंठों को अपने मुँह से चूसने लगा। बता नहीं सकता कि मैं उस समय किस जन्नत में था, और अपने हाथ पीछे ले जा कर उनकी चड्डी में डाल कर उन मतवाले चूतड़ों को दबाने लगा। जब मैं पेटीकोट के उपर से दबा रहा था, मुझे उस समय ही मालूम हो गया था कि मीना के चूतड़ बहुत ही तगड़े और मस्त हैं, और अब जब उनके नंगे चूतड़ पकड़े तो हाथों में कुछ ज्यादा ही जान आ गयी और मैं कस कस कर मसलने लगा। मीना ने भी मुझे अपनी बाहों में कस कर पकड़ रखा था जिस से उसकी मँसल चूचियाँ मेरे सीने से लग कर मुझे गुदगुदा रही थी। थोड़ी देर एक दूसरे को चूसने के बाद मीना मुझ से अलग हुई और अपनी अलमारी खोल कर व्हीस्की की बोतल निकाल कर बोली "जब तक सोनिया वापस नहीं आती तेरी चुदाई की क्लासिस चालू और अब तू हफते भर मेरी क्लास अटेंड करेगा।" इतना कह कर मीना ने दो ग्लास में शराब डाली और दो सिगरेट जला लीं और एक मुझे देते हुए कहा "जो मैं बताऊँ वैसे ही करना।" उसके बाद मीना एक हाथ में व्हीस्की का ग्लास और एक में सिगरेट पकड़ कर मेरे सामने आई और बोली "बहन के लौड़े, तू मुझे हाई हील्स के सैंडल्स में इमैजिन करता है ना, चल अब अपने हाथों से मेरे पैरों में सैंडल पहना और फिर मेरा पेट चूमते हुए मेरी चड्डी उतार और पीछे से मेरी गाँड के छेद में उंगली डाल और धीरे धीरे से अपने मुँह से मेरे पेट को चूमते हुए मेरी बूर के ऊपर ला कर मेरी चूत को अभी सिर्फ़ ऊपर से ही चूस। मैं तुझ से नाचते हुए अपनी चूत चुसवाँऊगी, बाद में जब तू अपनी ड्रिंक और सिगरेट खतम कर लेगा तब तुझे बताऊँगी की औरतें अपनी चूत का पानी मर्दों को कैसे पिलाती हैं।"

Devnagari Script By FSINSEX

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By: SINSEX

मैं तो उस समय कुछ बोलने की हालत में ही नहीं था। मैं तो बार बार यही सोच रहा था की मैं कोई सपना तो नहीं देख रहा हूँ। जिस औरत को नंगा देखना और चोदना मेरी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मकसद था वो ही औरत मेरी बाहों में नंगी मुझ से चुदवाने के लिये मचल रही है। खैर, मैंने मीना चाची के आदेश अनुसार उनके गोरे–गोरे नरम पैरों को चूम कर उनको ऊँची (४ इंच ऊँची) हील्स वाले सैण्डल पहनाए। आज तक मैं चाची के सैक्सी सैण्डलों को चूम–चूम कर और अपने लंड पे रगड़ – रगड़ कर मुठ मारता था पर आज वही नंगी चाची के सैण्डलों में बँधे पैरों को मैं चूम रहा था और इस का सीधा असर मेरे लंड पे हो रहा था। फिर मैं मीना चाची के बताए तरीके से उनको अपनी बाहों में भर कर चूमने और चड्डी उतारने लगा। मीना चाची अपने चूतड़ हिला हिला कर अपनी ड्रिंक और सिगरेट पी रही थी और जब मेरे होंठ मीना चाची की चूत के उभार पर टच हुए तो मीना चाची ने कस कर मेरा सर पकड़ा और चूत के उभार पर दबा दीया। वो मीठी मीठी सितकारियाँ भरने लगी और बोली “सुनील तुझे मैं ज़िंदगी का इतना सुख दूँगी की जब तू अपनी बीवी को चोदेगा तो हमेशा मेरी ही चूत याद करेगा” । मैं भी मन लगा कर मीना की चूत की दरार पर और उभार पर जीभ फेरने लगा। थोड़ी देर बाद मीना चाची के चूतड़ों में एक कंपन आया और मेरा सर जोर से दबाते हुए अपनी चूत क पानि बहार छोड़ दिया। उसके बाद मेरी बगल में बैठ गयी और बोली सुनील आज पहली बार ऐसा हुआ है की मैं अपनी चूत चुसवाते हुए झड़ी हूँ। मीना चाची की आँखें शराब और ओरगैज़्म के कारण नशीली हो रही थी। उन्होंने मेरा लंड पकड़ लिया और चोंकते हुए बोली “हाय हाय सुनील यह क्या हाल कर रखा है तूने अपने लंड का, तन के एक दम फटने को हो रहा है, मेरे प्यारे सुनील लंड को इतना नहीं अकड़ाते की लंड ही फट जाये और वैसे भी आज से यह लंड अब सिर्फ़ मेरा है, चल थोड़ा तेरे लंड को ढीला कर दूँ, फिर तुझे आराम से अपनी चूत का पानी पिलाऊँगी” ।

इसके बाद मीना चाची ने मुझे एक पैग और दिया और एक–एक सिगरेट जला कर मेरे बदन से चिपट गयी, और मुझे खींच कर बिस्तर पर टाँगें सीधी कर के पीठ के सहारे बिठा दिया और बोली “चल अब तू आराम से अपनी ड्रिंक और सिगरेट पी” और फिर मेरा लंड पकड़ कर कहा “मैं अपनी लंड की ड्रिंक और सिगरेट बना कर पीऊँगी, और तेरी मस्ती निकले तो निकाल दियो मेरे मुँह में, अब मैं तुझे लंड चूसना किसे कहते हैं वोह बताऊँगी” । इतना कह कर मीना चाची ने अपने रसीले होंठ मेरे लंड के सुपाड़े पर रख दिए जो कि तन कर एक दम लाल टमाटर की तरह हो रहा था और फिर धीरे धीरे मेरे लंड को अपने मुँह के अंदर जीभ फिराते हुए सरकाने लगी। मुझे

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

नहीं मालूम औरतों को लंड चूसते हुए कैसा लगता है पर मैं इतना बता सकता हूँ की कोइ भी मर्द मादरचोद अपना लंड चुसवाने के बाद बिना चूत लिये रह नहीं सकता, चाहे उसे उसके लिये कुछ भी क्यों ना करना पड़े। मेरे ऊपर तो उस समय मीना चाची के नंगे बदन का नशा, व्हीस्की क नशा, सिगरेट का नशा और मीना चाची से लंड चुसवाने का नशा ऐसा छाया हुआ था की जैसे मैं किसी और दूसरी दुनिया में हूँ। पहले तो मीना चाची बड़े प्यार से अपना मुँह ऊपर नीचे सरका-सरका कर मुझे लंड चुसाई का मज़ा देने लगी। मेरा पूरा लंड मीना चाची के मुँह में समा नहीं पा रहा था पर वोह बहुत तबियत से मेरी आँखों में आँखें डाल कर चूस रही थी। मेरा तो मस्ती के मारे बुरा हाल था। मैने मीना चाची का सिर कस कर अपने हाथों में पकड़ लिया और हाथ से उनका सिर उपर नीचे करने लगा और नीचे से अपने चूतड़ उछाल-उछाल कर मीना चाची के मुँह में ही शाट देने लगा और जब मैं झड़ा तो मैंने कस कर मीना चाची का सिर पकड़ कर नीचे से एक शाट लगाया जिस से मेरा लंड सीधा मीना चाची के गले में जा कर फँस गया और उस समय मेरा पूरा साढ़े ८ इंच और ढाई इंच मोटा लौड़ा जड़ तक मीना चाची के मुँह में घुसा हुआ था और मेरी झान्ट के बाल मीना चाची की नाक में घुस रहे थे। जब मैं शाट लगा कर मीना चाची के गले में अपना लंड फँसाकर झड़ रहा था उस समय मीना चाची बूरी तरह छटपटा रही थी और मुझ से दूर जाने की कोशीश कर रही थी पर मैंने भी कस कर उन का सिर पकड़ा हुआ था और जब तक मेरे पानी की आखिरी बूँद नहीं निकली, मैंने मीना चाची का सिर नहीं छोड़ा। मीना चाची वाकई में बहुत चूदास औरत थी। इतनी तक्लीफ होने के बाद भी मेरा सारा लंड का पानी चाट-चाट कर पी गयी और एक भी बूँद बाहर नहीं गिरने दी। मीना चाची ने मेरा झड़ा हुआ लंड अपने मुँह से बाहर करा तो मैं बोला "चाची आई एम सारी पर यह मेरा पहली बार था इसलिए मैं अपने आप को कंट्रोल बाहर कर पाया" । मीना चाची ने मेरे होंठ चूमते हुए कहा डारलिंग तु सिर्फ़ मुझे मीना बोली, "अरे मादरचोद मैं इसी तरह तो अपन बदन रगड़वाना चाहती हूँ, ठीक है थोड़ी तक्लीफ हुई पर मेरे प्यारे मादरचोद, कसम से जब से लड़की बनी हूँ, आज पहली बार लंड चूसने का अस्ली मज़ा मिला है। ऐसा प्यारा और तगड़ा लंड हो तो मैं ज़िंदगी भर चूसती रहूँ" ।

लंड चूसाने के बाद मैं भी थोड़ा सा मस्त हो चूका था, मैंने कहा "क्यों मीना चा... मेरा मतलब सिर्फ़ मीना... तुम्हारा इतना चुदास बदन है, तुमने शादी से पहले किसी से चुदवाया या नहीं?" मीना चाची बड़े दुख से बोली "अरे नहीं रे, मेरे पास अपनी चूत फड़वाने के और नए-नए लंड लेने के मोके तो बहुत थे पर मैंने सोचा हुआ था के मैं

Author: Sumit Jain
Devnagari Script By : SINSEX

अपनी चूत सुहाग रात वाले दिन ही अपने मर्द को दूँगी। पर मुझे क्या पता था की मेरी किस्मत में ऐसा गांडू लिखा हुआ है। अगर मुझे पता होता तो मैं शादी से पहले जम कर अपनी चूत का मज़ा उठाती। तेरे चाचा का सिर्फ़ ५ इन्च लम्बा और एक इन्च मोटा है और बस पाँच छः धक्के में ही झड़ जाता है और गांडू की तरह मेरी चूचियों पर उल्टा लेट कर सो जाता है” । इतना कह कर मीना चाची बिस्तर से उठीं और अलमारी से नौ इन्च लम्बा वाइब्रेटर लेकर आयी और बोली “अभी तक तो मेरा असली मर्द यह ही है जिस से मैं अपनी चूत की आग बुझाती हूँ” ।

“तू पहला मर्द है जिस से मैं अपना नंगा बदन चुदवाऊँगी, बस तू मेरा साथ मत अलग करना ।” मीना चाची कहते-कहते बहुत भावुक हो गयी थीं । मैंने मीना चाची को अपनी बाहों में भर लिया और एक दम फ़िल्मी डायलोग मारते हुए बोला “मीना डारलिंग आज से मैं तुम्हारे जिस्म की भूख को शांत करूँगा और जब तुम कहोगी उसी समय अपना लंड तुम्हारी सेवा में हाज़िर कर दूँगा, आज से तुम्हारे दुख के ओर वाइब्रेटर के दिन बीत गये। आज से तुम सिर्फ़ इस असली लंड का मज़ा लो” और इतना कह कर मीना चाची को दबा दबा कर उसके रसीले होंठ चूसने लगा। मीना चाची की चूचियों का दबाव पाकर और उनकी मस्त मोटी मोटी जवानी सीने से लगा कर मेरा लंड फिर से पूरा तन गया था । मीना चाची बोली “भोसड़ी के तेरा लंड है की मस्त गन्ना, देख तो सही कैसे खड़ा हो कर लहरा रहा है”। मैंने कहा “मीना यह तो फिर से तुम्हारे होंठों को ढूँढ रहा है चुसाने के लिये”। मीना चाची बोली, “सुनील गन्ना तो मैं अबकी बार अपनी बुर में ही चूसूँगी, पहले तो मुझे अपनी सिगरेट और ड्रिंक आराम से पीने दे और तु अपनी ड्रिंक मेरी चूत से निकाल कर पी, आ जा सुनील आज तुझे औरतों की चूत पीना सिखा दूँ” । इतना कह कर मीना चाची अपने चूतड़ आराम से बिस्तर पर टिका कर बैठ गयी और अपनी दोनों टाँगें खोल कर चड्डी में कसी हुई चूत की मछलियों को दिखाने लगी। मैं भी देखना चाहता था की जब भी मैं मीना चाची और सोनिय की चड्डी सूँघता था तो बहुत ही मादक खुशबू आति थी। आखिर वो आती कहाँ से है। इतने में मीना चाची बोलीं “चल मादरचोद मेरी टाँगें और जाँघें चूसते हुए मेरी चड्डी उतार और मेरी चूत में अपना मुँह लगा कर ऐसे चूस जैसे आइसक्रीम चूसता है और फिर अपनी जीभ को मेरी दरार के अंदर डाल और खूब घुमा-घुमा कर मेरी बुर को अंदर तक चाट, याद रहे चूसाई और चटाई तब तक चलती रहे जब तक मैं तुझे मना नहीं करूँ और इस दौरान अगर मेरी चूत से मेरी मस्ती निकले तो उसे अपनी ड्रिंक समझ कर चाट कर पी जाइयो” ।

Author: Sunil Jain

बड़ा ही सैक्सी सीन था, मीना चाची बिल्कूल नंगी, सिर्फ़ चड्डी और सैक्सी सैंडल पहने, एक हाथ में ड्रिंक और एक हाथ में सिगरेट लेकर स्मोक कर रही थी। उनके मस्त जोबन पर उनके भूरे-भूरे निप्पल ऐसे दिख रहे थे कि जैसे कह रहे हों *कि आजा आज जी भर के मज़ा ले ले बहुत मुठ मार ली तू ने* और फिर चाची ने अपनी चिकनी मस्त टाँगों को फैला दिया। मैंने भी झुकते हुए मीना चाची की मस्त जाँघों को बारी-बारी खूब चूसा, और फिर मस्ती में पहली बार मीना चाची की चड्डी के ऊपर से ही उनकी चूत की दरार को चाटने लगा। मेरे होंठ मीना चाची की चूत पर लगते ही मीना चाची मस्ती में आ गयी और बोली "सुनील अब जल्दी से मेरी चड्डी उतार के मेरी मस्त जवानी चूस ले, मदरचोद इतना मज़ा दूँगी कि किसी औरत ने आज तक किसी मर्द को नहीं दिया होगा"। मैं बड़े प्यार से मीना चाची की चड्डी धीरे-धीरे उनकी बुर से सरकाते हुए उतारने लगा। मीना चाची ने अपने चूतड़ हवा में उठा दिये थे ताकी मैं जल्दी से उनकी चड्डी उतार कर चूसना चालू करूँ। मीना चाची शायद यह नहीं जानती थी कि यह मेरे लिए किसी सुहाग रात से कम नहीं थी, और अपनी प्यारी दुल्हन का मुखड़ा, जिसके कारण ना जाने मैंने कितनी बार अपने हाथ से अपने लंड का पानी गिराया था, आराम से चड्डी उतार कर इतमिनान से देखना चहता था। मीना चाची बोली "देख ले सुनील जी भर के देख मेरी चिकनी चूत को, पता है मैं अपनी चूत शेव नहीं करती क्योंकि उस से चूत थोड़ी सी खुरदरी हो जाती है, बल्कि हेयर रिमुवर से बाल साफ़ करती हूँ ताकी मेरी चूत हमेशा मुलायम और चिकनी रहे"। मैं देर तक मीना चाची की चूत को देखता रहा और अपनी हथेली फेरता रहा। कुछ देर बाद मीना चाची बोलीं "देख सुनील इतना नहीं तरसाते, मेरे भोसड़े में आग लग रही है, जल्दी से चूसके ठन्डी कर दे"। मैंने भी अब ज्यादा रुकना मुनासिब नहीं समझा और अपने होंठ मीना चाची की चूत के गुलाबी होंठों पर रख दिये। मीना चाची ने एक गहरी सितकारी लेते हुए मेरे सर को अपनी बुर पे दबा लिया। मेरा मूँह दबने से मेरी नाक में मीना चाची की चूत की खुशबू उतरती चली गयी और मुझ पर ना जाने क्या नशा चढ़ा मैंने अपने होंठों से उनकी चूत दबाकर चूसनी चालू कर दी और अपनी जीभ अंदर बहार करते हुए मीना चाची की चूत के अंदर करने लगा। इस समय मीना चाची ने मेरा सर अपनी पूरी ताकत से अपनी चूत पर दबाया हुआ था और अपनी मस्त चिकनी जाँघों से मेरा सर जकड़ा हुआ था, जिसके कारण मीना चाची की सितकारियाँ और गालियाँ मेरे कानों तक नहीं पहूँच पा रही थीं। मीना चाची के मस्त चूतड़ अब उछलने चालू हो गये थे, और उन्होंने मेरे हाथ अपनी चूचियों पर से हटा कर अपने दोनों चूतड़ों के नीचे कर दिये थे। मैं भी इशारा पा कर उन मस्त चूतड़ों को दबा-दबा कर मसलते हुए मीना चाची की चूत चूसता रहा। अचानक मीना चाची ने अपने चूतड़ों

Devnagari Script By SINSEX

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By SINSEX

का एक जोरदार झटका मारा और मेरा सर दबा कर मेरे मुँह में अपनी चूत का पानी निकालने लगी। पहले मुझे अजीब सा टेस्ट लगा पर बाद में इतना टेस्टी लगा की मैं दोबारा उनकी चूत में जीभ घुसेड़ कर उनकी चूत की दीवारों पर लगा हुआ उनकी चूत का पानी चाटने लगा। मीना चाची शायद इस दोबारा चुसाई के लिये तैयार नहीं थीं और अचानक चालू हुई दोबारा चुसाई ने मीना चाची को पागल बना दिया और उन्होंने अपनी जाँघें जोर से कस कर झड़ना चालू किया। उन्होंने अपनी जाँघें इतनी जोर से दबा ली थी कि अगर मैं अपने दोनों हाथों से उन्हें अलग नहीं करता तो शायद मेरा सर चकनाचूर हो जाता।

मैंने जब मुँह उठा कर देखा तो मीना चाची के चेहरे पर भरपूर ठंडक दिखायी पड़ रही थी। उन्होंने मेरी आँखों में आँखें डालते हुए कहा, "पता है सुनील, आज मेरे जीवन में पहली बार मेरी चूत के लिप्स किसी मर्द के होंठों से चूसे गये हैं। मैंने आज तक सिर्फ़ किताबों में पढ़ा था कि औरतों को अपनी बुर मर्दों से चुसवानी चाहिए जिससे औरत को चूत को वो सुख मिलता है जो उसको लंड से चुदवाकर भी नहीं मिलता। वाकई में सुनील आज तूने मेरी चूत चूसकर वोह सुख दिया है जो मुझे आज तक नसीब नहीं हुआ था, थैंक यू" । मैंने भी कहा "चाची... सारी... मीना... मुझे नहीं मालूम तुम्हें कितना मज़ा आया पर मुझे तो तुम्हारी चूत का पानी पी कर और चूत चूस कर मज़ा आ गया, आज के बाद जब भी तुम मिलोगी, मैं सबसे पहले तुम्हारी बुर चूसूँगा और चाटूँगा" ।

मेरा लंड इतनी सारी मस्ती एक साथ मिल जाने पर लोहे की रॉड की तरह हो रहा था। चाची ने बड़े प्यार से अपने होंठों को चौड़ा करके मेरे लंड का सुपाड़ा अपने होंठों में भर लिया और फिर एक मिनट तक उसके ऊपर अपनी जीभ फिराती रही जिससे मैं अपना कँट्रोल खो बैठा और मीना चाची की गर्दन पकड़ कर उनका मुँह अपने लंड पर दबाने लगा। मीना चाची ने झट से अपना मुँह ऊपर खींच लिया और प्यार से बोली, "सुनील मैं तो तेरे लंड को बता रही थी की अपनी दुल्हन से मिलने के लिये तैयार हो जा, आज तेरी दुल्हन जी भर के तेरे धक्के लेगी और बाद में तेरी आखरी बूँद तक चूसेगी। अब बस आजा सुनील तुझे आगे का पाठ पढ़ा दूँ। अब मुझसे सहन नहीं हो पा रहा है"। मीना चाची ने एक तकिया अपने चूतड़ों के नीचे लगाया और एक अपने सर के नीचे और पीठ के बल लेट गयीं । बड़े प्यार से बोली "चल आज तू अपनी मीना चाची की सवारी कर ले, चड़ जा अपनी मीना पर, और तू भी सीखले औरत पर चढ़ना किस को कहते हैं। बहुत तरसा है ना तु मेरी चूत के लिए, चल आज के बाद

नहीं तरसेगा, चल आजा बना ले अपनी चाची से सम्बंध, बना दे अपनी चाची को रंडी” ।

Author: Sunil Jain

मुझे मीना चाची ने अपनी टाँगें फैला कर टाँगों के बीच में कर लिया और तकिया लगा होने के कारण मीना चाची की चूत एकदम फूल कर उठी हुई थी। मीना चाची बोली “देख सुनील मैं अपने हाथ से अपनी चूत के लिप्स खोलूँगी, तू बस अपने हाथ से अपना लंड पकड़ कर मेरा जो गुलाबी छेद दिखेगा, उस पर अपने लंड का सुपाड़ा रगड़, और जब तक मैं ना कहूँ लंड मेरे अंदर मत उतारियो” । मीना चाची ने एक सिगरेट जलाई और दूसरे हाथ से अपनी उंगली से अपनी चूत के लिप्स खोल कर दिखाने लगी, और बोली “आजा बेटा चल रगड़ अपना लंड” । मैंने भी अपनी मस्ती में डूबे हुए लंड को मीना चाची की फैली हुइ चूत पर रगड़ना चालू कर दिया। पहली बार मुझे मीना चाची की चूत की गरमी महसूस हुई । मीना चाची सितकारी लेते हुए बोली, “देख ले बहनचोद जैसे तूने मुझे बाहों में लेकर किस करा था उसी तरह मैं तेरे लंड को अपने बुर के लिप्स के बीच में लेकर किस कर रही हूँ, मज़ा आ रहा है कि नहीं?” मेरी ज़िंदगी में तो पहली बार मेरा लंड किसी चूत से टच हुआ था। मेरे दोनों कान लाल हो गये थे, मैंने कहा “मीना मेरे बदन में यह कैसी आग लग रही है”। मीना चाची बोली “बस मेरी जान थोड़ा सा और, फिर तू मेरी आग बुझा और मैं तेरी आग बुझाऊँगी” । एक मिनट और लंड घिसने से मेरा बदन मारे मस्ती के कांपने लगा। मीना चाची समझ गयी कि मैं अब कंट्रोल के बाहर हूँ । उन्होंने बड़े प्यार से अपना हाथ आगे बढ़ा कर अपनी चूत के छेद पर टिका दिया और बोलीं, “देख सुनील तेरा लंड बहुत मोटा लम्बा और तगड़ा है, मेरी चूत में इसकी जगह धीरे–धीरे ही बनेगी, इस लिये तू धीरे–धीरे अपना लंड मेरी चूत में उतार और अपने चूतड़ के धक्के दे और लंड आगे पीछे कर, चल अब चालू हो जा, तु भी सीख ले चुदाई क्या होती है, चोद ले अपनी चाची को जी भर के, पर मदरचोद अगर तू अपने चाचा की तरह जल्दी झड़ा तो इसी वाइब्रेटर से तेरी गाँड मारूँगी वो भी बिना क्रीम के”।

Devnagari Script By: SINSEX

Author Sunil Jain

मैंने पहले तो एक हल्का सा शॉट लगाया जिस से मेरा २ इन्च लंड मीना चाची की चूत में सरक गया और उनकी चूत के गुलाबी लिप्स ने मेरा लंड जकड़ लिया । मीना चाची की चूत अंदर से सुलग रही थी जिसकी असली गरमी मैंने अब महसूस करी । मीना चाची बोली "आआहहहहहहहहहहहाआ मेरे राजा शाबाश मेरे शेर अब धीरे–धीरे अपना लंड पेल मेरे में।" मैंने भी एक दो धक्के तो दिये पर इतना ताव आ गया की मैंने एक जोर का झटका मारा और मेरा ६ इन्च लंड मीना चाची की चूत में समा गया । मीना चाची ने अपने चूतड़ ऐसे उछाले जैसे उसे बिजली का करँट लग गया हो और बोली "बहन के लौड़े चोदना सीखा नहीं और मेरी चूत फाड़ने पर उतर आया, मैंने कहा था भोसड़ी वाले मेरी चूत तेरे चाचा की लुली से ही चूदी है अब तक। मर्द का लंड तो आज पहली बार खा रही है । ज़रा आहिस्ता–आहिस्ता चोद अपनी चूत रानी को।" मीना चाची बोलती रहीं और मैंने मीना चाची को उनकी कमर के नीचे से उभरे हुए मोटे चूतड़ से पकड़ा और अपने चूतड़ों का पूरा दम लगा कर जबर्दस्त शॉट मारा जिस से मेरा पूर लंड मीना चाची की चूत में समा गया और मीना चाची के बदन पर लेट गया और अपनी बाहों में कस के पकड़ लिया जिस से उनकी निप्पल मेरे निप्पल से लग गयी और उनके माँसल जोबन मेरी छाती के नीचे दब गये । मीना चाची ने दर्द के मारे करीब एक फुट अपनी गांड हवा में उछाली और गालियाँ देती हुई बोली "माँ के लौड़े क्या कर दिया तुने, माँ चोद कर रख दी मेरी बुर की, अरे भोसड़ी वाले ऐसे थोड़ी मैंने चूत की माँ चोदने को कहा था, तेरा साला लंड है की मूसल, मेरी तो मदरचोद चूत फट गयी आजा, चोद दे मादरचोद मेरे को,हाय हाय बड़ा दर्द हो रहा है।" पर मैंने मीना चाची को पूरी तरह से दबोच रखा था और उनकी टाँगें अपनी टाँगों में फसाई हुई थीं । अब धीरे–धीरे अपना लंड आगे पीछे करना चालू किया और उनके होंठों पर अपने होंठ रख कर बड़े प्यार से उनके मुँह को और उनकी जीभ को चूसते हुए शॉट लगाने लगा । जब मैंने देखा की मीना चाची का तड़पना कुछ कम हो गया तो मैंने उन से पूछा कि "डारलिंग दर्द हो रहा है तो थोड़ा सा बाहर निकाल लूं।" मीना चाची एक दम शेरनी की तरह बोली, "मादरचोद इतने साल मैं इसके लिये तो तड़पी हूँ की कोई तो मेरी चूत फाडे और चोद चोद कर उसक भोसड़ा बना दे और तू कह रहा है की बाहर निकालूँ, आज पहली बार तो औरत होने का सुख मिल रहा है, चोद मेरे राजा मेरी टाँगें उठ–उठा के जितना चोदना है चोद ले, मेरे सनम मेरी तो चूत अब तेरी हो गयी।"

Devdasi Script By SINSEX

मीना चाची इस समय पूरी मस्ती में थीं। झूठ नहीं बोलूँगा, मैं भी पूरी तरह से मस्ताया हुआ था और मैंने एक किताब में देखे हुए पोज़ को आज़माते हुए मीना चाची की

Author: Sunil Jain

Devnagari Script By : SINSEX

दोनों टाँगें अपने कंधे पर रखीं और उनके मस्त जोबन अपने हाथों में कस कर पकड़ लिये और उछल–उछल कर मीना चाची की चूत में पेलने लगा जिस से मेरा लंड पूरा जड़ तक मीना चाची की चूत में उतर रहा था। इतना प्यारा सीन था दोस्तों की जब मैं कस कर शॉट लगाता था उस समय मीना चाची के चूतड़ पूरे फैल जाते और चौड़े हो कर दब जाते और मेरा पूरा लंड मीना चाची की चूत में समा जाता औए फिर जब मीना चाची नीचे से अपने चूतड़ों क धक्का देती तो मेरा लंड थोड़ा सा बाहर आता और मीना चाची की वो मस्त गाँड फिर गोल और मस्त हो जाती। अब हम दोनों की चुदाई की लय सैट हो चुकी थी और मीना चाची तो मानो जन्नत की सैर कर रही थी, और बार–बार यही बोल रही थी कि “आज जैसी चुदाई का सुख मुझे कभी नहीं मिला। मुझे मालूम था की चुदाई में मज़ा आता है पर इतना मज़ा आता है मुझे नहीं मालूम था। ले मेरे बलम चोद अपनी चाची को, जी भर के अपनी चाची की जवानी का मज़ा लूट ले। कहाँ था बहन चोद, अभी तक क्यों नहीं सेकी मेरी चूत अपने लौड़े से। अब तो खूब चुदवाऊँगी मेरे राजा मेरे खसम, आज से तो तू मेरा असली खसम है।” करीब पन्द्रह बीस मिनट तक जम कर टाँगें उठा कर चोदने के बाद मेरा पानी निकलने वाला था। मैंने मीना चाची की दोनों टाँगें छोड़ कर उन्हें अपनी बाहों में भर लिया और बोला “मेरी रानी! ले मेरा पानी अपनी मस्त चूत मैं। कर ले ठंडा अपनी चूत को मेरे लंड के पानी से।” मीना चाची भी बोलीं कि “राजा मैं भी बस झड़ने की कगार पर हूँ जरा दो तीन धक्के करारे–करारे जमा दे मेरी चूत में।” मैंने मीना चाची को कस के अपने चूत्तड़ हिला–हिला कर जबर्दस्त शॉट देने चालू कर दिये। मीना चाची तो दो धक्कों बाद ही किलकारी मरते हुए झड़ने लगी। उनका पानी सीधा मेरे लंड के लाल हुए सुपाड़े पर गिर रहा था जिसे मैं पूरी तरह से महसूस कर रहा था। मैंने भी दो तीन धक्के और मारे और मीना चाची के होंठों पे अपने होंठ चिपका दिये और उनकी जीभ चूसते हुए अपने लंड का पानी मीना चाची की चूत में निकाल दिया। दोस्तों मेरी ज़िन्दगी में वोह पहला अवसर था जब मैंने किसी औरत के साथ सम्भोग करा था। मीना चाची की चूत के अन्दर झड़ने में जो स्वर्ग का आनन्द प्राप्त हो रहा था उसके कारण मैं क्षण भर के लिये अपने होश हवास खो बैठा।

जब मुझ होश आया तो देखा मीना चाची मेरे लंड पर झुकी हुइ थी और बड़ी बेसब्री से मेरा लंड चूस रही थी। मुझे होश में आया देख उन्होंने मेरा लंड छोड़ कर दो सिगरेट जलाईं और मुझे अपनी बाहों में लेकर मेरे सीने पर अपना सर रख कर स्मोक करने लगी और बोली, “सुनील मैं किस ज़ुबाँ से तेरा शुक्रिया अदा करूं, मेरी समझ में नहीं आ रहा है, मैन तो आज से तेरी हो गयी। तु आज से सही मायने में मेरा मर्द

है और मैं तेरी औरत। तुझे चूत का इतना सुख दूंगी की तू हमेशा मुझे याद करेगा। तूने मुझे बताया है कि असली चुदाई क्या होती है। आज पहली बार है कि चुदवाकर मेरी चूत को पसीना आ गया। मैं तो बस आज से तेरी घुलाम हो गयी। बस मेरे प्यारे सुनील मुझे चोदना मत बँद करिओ, तेरे वास्ते तो मैं बुर-वालियों की लाइन लगा दूंगी। मेरी बहुत सी सहेलियाँ हैं जिनके मर्द सिर्फ़ नाम के मर्द हैं, साले कर कुछ नहीं पाते।"

मैंने भी मीना चाची को अपनी बाहों में कस कर कहा कि "मीना आज से तुम भी मेरी हो गयी, मैं सोच भी नहीं सकता था कि जिस सपनों की रानी की मैं चड्डी-ब्रा और सैंडल सूँघ सूँघ कर मुठ मारता था वोही मुझे मेरे जीवन में चुदाई का पाठ पढ़ायेगी। मीना तुम नहीं, मैं तुम्हारा गुलाम हूँ और जब तक चाचा नहीं आते, तुम मेरी औरत बन जाओ और मुझे जम कर अपने शरीर की शराब पिलाओ।"

Author:Sunil Jain
Devnagari Script By SINSEX

ज़िंदगी की पहली चुदाई अपने सपनों की रानी के साथ करके मैं तो अपने आप को बड़ा ही भाग्यशाली समझ रहा था। पहली चुदाई करने के बाद मैं और चाची एक स्मोक करते हुए एक दुसरे से लिपट कर पड़े हुए थे। मीना चाची अपना सिर मेरी छाती पर रख कर स्मोक कर रही थी और मैं धीरे धीरे उनके मस्त मोटे चूत्तड़ों पर हाथ फेर रहा था। मैंने कहा *"मीना डारलिंग क्या हुआ तुम तो एकदम ही शांत हो कर लेट गयी हो"*। तो मीना चाची ने शर्माते हुए मेरे होंठों का किस लिया और बड़े प्यार से लंड हाथ में लेकर बोली, *"सुनील मुझे लग रहा है कि मेरी असली शादी तो आज हुई है और सुहाग रात मनी है, और जैसे कोई लड़की पहली बार अपने मर्द से चुदवाकर मस्त हो कर शर्माती है बिल्कुल मुझे वैसा ही लग रहा है। सुनील मेरे सरताज, मेरी चूत के मालिक, तू जो बोलेगा मैं सब करूँगी पर तू मुझे आज कसम दे कि तू हर रोज़ मुझे चोदेगा। चाचा आ जायेगा तब भी मैं मौका निकाल कर तुझसे अपनी चूत ठंडी करवाऊँगी।"* मैं तो अपने जीवन की पहली चुदाई कर के मस्त पड़ा हुआ था। मैंने भी कहा *"मीना मेरा मुठ मारने का हमेशा ही एक सीन मेरे दिमाग में घूमता था, जिस को मैं सोच-सोच कर तुम्हारी याद में अपना लंड सरकाता था।"* मीना चाची बड़े प्यार से बोली *"अब क्या जरूरत है सपने देखने की तू बोल तो सही मैं तेरे लिये अब कुछ भी करूँगी।"* मैंने कहा, *"मीना मैं हमेशा ही यह सोचता था कि तुम्हारी शादी मुझ से हुई है और अपनी सुहग रात वले दिन तुम शर्माती हुइ दुल्हन की तरह सज-धज के मेरे लिये पलंग पर बैठी हो और फिर मैं तुम्हें जी भर के भोगता हूं।"* मीना चाची ने मेरे होंठों का एक लम्बा सा किस लिया और करीब पाँच मिनट तक मेरे होंठ चूसने के बाद बोली, *"मेरे राजा बस अब तुझे और मेरी चूत नहीं मिलेगी और ना ही तू मुठ मारेगा"*। मेरे उपर तो जैसे पहाड़ गिर पड़ा। मैंने कहा *"मीना ये तुम क्या कह रही हो?"* मीना बड़े ही मादक अँदाज़ में बोली, *"मादरचोद आज तेरी और मेरी, रात को सुहाग-रात मनेगी और मैं चाहती हूँ कि तू अब दिन भर मुझे नंगा देखे और अपना मूसल जैसा लौड़ा मसले ताकी जब रात को मेरे साथ सुहाग-रात मनाए तो मुझे कड़-कड़ाते हुए चोदे जिस से मेरी चूत का एक-एक टाँका खुल जाये।"* मैंने भी कहा *"मीना पर मैं रात तक कैसे दोबारा इंतज़ार करूँगा इतनी नशीली शराब पीने का"*। मीना चाची ने मेरी छाती को चूमते हुए कहा *"बहन-चोद तू मेरे बारे में सोच कि मैं कैसे रहूँगी रात तक बिना तेरा मस्त मादरचोद लंड लिये बिना। मेरी चूत खुली हुइ तो क्या हुआ पर मैं भी अपनी ज़िंदगी में वोह सुख भोगना चाहती हूं जिस कि कभी मैंने कल्पना करी थी"*। इसके बाद मीना चाची उठी और अपनी पिंक ब्रा और पिंक चड्डी पहन ली।

Author: Sunil Jain

Devnagari Script By FSINSEX

मीना चाची दिन भर सिर्फ़ ब्रा–चड्डी और मेरी पसंद के ४ इन्च ऊँची एड़ी के सैण्डलों में ही घूमती और घर के काम करती रही और बीच बीच में अपने हाथ या सैण्डल से मेरे लंडा को सहला कर या कभी एक चूँची बाहर कर के मेरे होंठों के पास ला कर भाग जाती। कभी दूर खड़े हो कर अपनी चड्डी धीरे से निचे खिस्का कर अपनी चूत का उभार दिखाती, और कभी मेरे चेहरे के सामने अपने चूत्तड़ ला कर चड्डी सरकाती और अपनी गाँड दोनो हाथों से पकड़ कर चौड़ा कर के दिखाती। जब मैं पकड़ने को जाता तो कहती *"मेरे मादरचोद बलम ये सब माल जी भर के भोगना रात को।"* मेरे लंड का तो बुरा हाल था । बेचारा दिन भर मीना चाची का बदन देख–देख कर अटैंशन में खड़ा रहा। शायद वोह भी सोच रहा था की *"छिनाल जितना तरसाना है तरसा ले, रात को तेरे भोसड़ी को भोसड़ा नहीं बनाया तो मेरा नाम नहीं।"* मीना चाची ने शाम को मुझे एक घंटे के लिये घर के बाहर भेज दिया और बोली कि *"मेरे सनम, इंतज़ार के सारी घड़ियाँ खतम और वापस आ कर नहा धो कर एक दम दुल्हा बन कर अपनी दुल्हन की सुहाग–रात मना। आज तेरी शादी मुझ से हुइ है और मैं तेरी दुल्हन और तेरी पत्नी हूँ और तू मेरा पती। जल्दी से आ मेरी जान! मेरी चूत में शोले भड़क रहे हैं। दिन भर तो मैंने बर्दाश्त कर लिया पर अब बर्दाश्त नहीं कर पा रही हूं।"* मैं भी एक घंटे के लिये बड़े बे–मन से बज़ार घूमता रहा और वापस आ कर अपने कमरे में जा कर नहाने चला गया। रेज़र से अपनी सारी झँटें साफ़ करी और लंड पर खूब तेल की मालिश करी और अपने बदन को रगड़–रगड़ के साफ़ किया। और तैयार होते वक्त अपने बदन पर खूब क्रीम मली और सैंट छिड़का। अपने सबसे स्मार्ट कपड़े पहने और शीशे में अपने को देख कर अपनी सुहाग–रात मनाने के लिये मीना चाची के कमरे की तरफ़ चल पड़ा।

मेरी मीना चाची वाकय में एक बहुत ही स्टॉयलिश और मस्त औरत थी। जब मैंने उनके कमरे को खट– खटाया तो वो अंदर से बोली बस दो मिनट में अंदर आ जाना। मैंने जब दो मिनट बाद दरवाज़ा खोला तो दँग रह गया कि चाची ने घन्टे भर में अपने कमरे की काया ही पलट दी थी। पूरा कमरा गुलाब से सज़ा हुआ था और भीनी भीनी उत्तेजित करने वाले इम्पोर्टेड सैंट की खुशबू हवा में फैली हुई थी। मीना चाची अपनी सबसे सैक्सी दिखने वली साड़ी पहन कर और अपने चेहरे पर एक लम्बा सा घूँगाट डाल कर पलँग के बीचों–बीच बैठी हुइ थी, और पलँग के साईड टबल पर एक पूरी व्हिस्की की बोत्तल और सिगरेट का पैकेट रखा हुआ था।

दोस्तों बोलने की जरूरत नहीं है कि हम दोनों के जिस्म में उस समय एक लावा फूट

रहा था एक दूसरे को बुरी तरह चोदने के लिये, और मेरी चाची ने सब इंतज़ाम करा हुआ था कि आज जम कर रात भर चुदाई हो। मैंने धीरे से पलँग पर बैठ कर मीना चाची को अपनी और खिसकाया और बड़े धीरे से उनका घूँघट ऊपर उठा दिया। मीना चाची ने आज कुछ ज्यादा ही सैक्सी मेक-अप करा हुआ था। उन्होंने अपने होंठों पर लाल चमकने वाली लिपस्टिक लगायी हुइ थी और पूरे मुखड़े पर बहुत ही सुंदर तरिके से मेक-अप करा हुआ था। ब्लाऊज़ उन्होंने बहुत ही लो कट पहना था और अगर ब्लाऊज़ को ब्रा बोला जाये तो ज्यादा मुनासिब होगा और अन्दर उन्होंने ब्रा शायद बहुत ही छोटी साइज़ की पहनी हुइ थी क्यों कि उसमें से मीना चाची कि मस्तानी जवानी छलक-छलक के बाहर आने को मचल रही थी। उन्होंने अपने घने-घने बालों को खुला रखा था जो किसी झरने की तरह उनकी कमर तक लहरा रहे थे। मीना चाची ने अपने हाथों और पैरों के नाखूनों पर लाल नेल पॉलिश लगा रखी थी। साथ ही उन्होंने मुझे और भी उत्तेजित करने के लिये काले रंग की बहुत ही ऊँची (लगभग ५ इन्च) पेन्सिल हील की सैण्डल पहनी हुइ थी। उनके गोरे-गोरे पैरों को उन सैण्डलों में देख कर मेरा लंड मेरी पैंट के अन्दर साँप की तरह फुँफकारने लगा।

मैंने बड़े ही प्यार से मीना चाची का चेहरा अपने हाथों में ले कर उनके गुलाबी होंठों पर अपने होंठ रख दिये और तबियत से उनके होंठ और जीभ चूसने लगा और फिर मीना चाची की कमर में हाथ डाल कर उनकी नंगी पीठ पर फेरने लगा। मीना चाची ने भी मुझे अपनी बाहों में ले लिया और अपनी चूचियों का दबाव देते हुए मेरे होंठ और जीभ चूसने लगी। मुझे होश नहीं हम कब तक एक दूसरे को यूँ ही चूसते रहे। जब हम अलग हुए तो मैंने कहा *"मीना डारलिंग तुम तो वाकय में बहुत खूबसुरत हो। मैं तुमको अपनी पतनी बना कर धन्य हो गया। तुम्हारा बदन लगता है जैसे भगवान ने तुम्हें खुद अपने हाथों से बनाया है। तुम्हें देख लेने के बाद कैसे कोई इंसान कैसे अपने ऊपर काबू रख सकता है।"* मीना चाची बोली *"मेरे सरताज़, मैं बहुत खुश किस्मत हूं कि तुम मेरे पती हो और आशा करती हूं कि तुम मेरी बूर को चूत और चूत को भोसड़ा बना दोगे।"*

इतना कह कर हम दोनों पलंग से उठे और एक दूसरे को बाहों में भर कर डाँस करने लगे। डाँस करते- करते मैंने मीना चाची की साड़ी पीछे से उठाई और उनकी चड्डी में हाथ डाल के उनके चूत्तड़ मसलने लगा। इधर मीना चाची भी मेरी शर्ट के बटन खोलने लगी और खोल कर मेरी शर्ट को फेंक दिया। मैंने भी मीना चाची की साड़ी का एक छोर पकड़ कर खेंचना चालू कर दिया और मीना चाची ने भी अपना पूरा मस्त

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

शरीर घूम-घूम कर दिखाते हुए साड़ी को उतरवाया। अब मीना चाची सिर्फ़ ब्रा-कट ब्लाऊज़ और एक बहुत ही झीने पेटीकोट में थीं, जिसमें से अंदर का सब कुछ दिख रहा था। मीना चाची ने आज ब्लैक कलर की जी-स्ट्रिंग पैंटी पहनी हुइ थी जिस से सिर्फ़ उनकी चूत ढकी हुइ थी और उनके गोरे-गोरे और मोटे-मोटे मँसल चूत्तड़ एक दम नंगे हो कर गज़ब ढा रहे थे। मीना चाची एक दम नयी नवेली दुल्हन कि तरह शरमाने लगी तो मैंने आगे बढ़ कर उन्हें अपनी बाहों में ले लिया और पेटीकोट के ऊपर से उनके गुदाज़ चूतड़ों को दबाने लगा।

मीना चाची ने भी अपने हाथ आगे करे और मेरी पैंट को खोल कर उतार दिया। इधर मैंने भी मीना चाची के झीने से पेटीकोट का नाड़ा खोल कर नीचे गिरा दिया और अपने हाथ पीछे ले जा कर उनके ब्रा-नुमा ब्लाऊज़ के हुक खोल दिये और उनका ब्लाऊज़ धीरे से उनकी बाहों पर से सरकाते हुए उतारने लगा। मीना चाची ने आज बहुत ही छोटी (माइक्रो) ब्रा पहनी हुइ थी। मैं साफ़-साफ़ देख रहा था कि ब्रा के कप बडी ही मुशकिल से मीना चाची के निप्पलों को ढक पा रहे थे और साथ ही ब्रा काफी टाइट भी होने के कारण मीना चाची का पूरा जोबन उबाल खा कर बाहर आने को मचल रहा था। मीना चाची अब सिर्फ़ चड्डी-ब्रा और हाई हील सैण्डलों मैं थी और मैं भी अब सिर्फ़ चड्डी में था। हमने एक दूसरे को फिर से बाहों में जकड़ लिया और एक दूसरे को मसलते हुए नाचने लगे।

थोड़ी देर बाद मैं कुर्सी पर बैठ गया और मीना चाची को बोला *"डारलिंग तुम आज अपनी गाँड हिलाते हुए दो पैग बनाओ और अपने हाथों से मुझे पिलाओ।"* मीना चाची भी बड़े ही मादक अन्दाज़ में अपने भारी भारी चूत्तड़ मेरे चेहरे के सामने ला कर टेबल पर झुक कर दो पैग बनाने लग गयी। जी-स्ट्रिंग पैंटी पहने होने के कारण मीना चाची की चूत तो पूरी ढकी थी और स्ट्रिंग का स्ट्राप पूरा मीना चाची की गाँड की दरार के अंदर घुस कर उनकी गाँड के भूरे रंग के छेद को छुपाए हुए था। मीना चाची के मस्त फूले हुए चूत्तड़ अपनी आँखों के सामने पा कर मदहोश हो गया और अपने होंठ मीना चाची के चूत्तड़ों पर लगा कर उनकी गाँड की दरार में अपनी जीभ घुसाड़ने लगा। मीना चाची एकदम सितकार उठी और बोली *"मेरे सनम ये क्या कर रहे हो, बड़ी गुद-गुदी हो रही है।"* मैंने कोइ ध्यान ना देते हुए अपनी जीभ मीना चाची की गाँड के भूरे छेद पर फेरनी चालू रखी और हाथ बड़ा कर उनकी झुकी हुइ मस्तानी छातियों को पकड़ लिया और दबाने लगा। मीना चाची तो मस्ती के मारे अपने चूत्तड़ गोल-गोल हिलाने लगी।

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By FSINSEX

पैग बनाने के बाद मैंने मीना चाची को खींच के अपनी गोदी में बैठा लिया और बोला *“मीना क्या बात है, मैंने ऐसी चड्डी तो आज तक नहीं देखी जिसमे चूत तो ढकी रहती है पर गाँड पूरी नंगी रहती है।”* मीना चाची बड़ी मस्ती में बोली *“जानम इसे जी–स्ट्रिंग कहते हैं और ये खास कर चुदास औरतों के लिये ही बनाई गयी है। जिन कि चूत में ज्यादा खुजली होती है और जो बाज़ार में अपने चूत्तड़ों का जलवा दिखाना चाहती हैं वोह ऐसी चड्डियाँ और हाई हील सैण्डल खूब पहनती हैं। हाई हील सैण्डलों से चाल और भी मस्तानी हो जाती है और पीछे से गाँड और सामने से छातियाँ सैक्सी तरह से उघड़ जाती हैं। मैंने आज खास तेरे लिये पहनी है।”* मैंने उनकी फूली हुइ चूचियों की घाटी में अपना मुँह लगा दिया और पसीने और सैंट की महक सूँघते हुए उनके चूचियों कि घाटी चूसने लगा। मीना चाची ने भी मेरा सर पकड़ कर अपने जोबनों पर दबा लिया।

थोड़ी देर मीना चाची की चूचियों कि घाटी चूसने के बाद मैंने मीना चाची को कहा कि अब वोह मुझे ड्रिंक पिलायें। उन्होंने टेबल पर से ग्लास उठा कर मेरे होंठों से लगा दिया और बोली मेरे राजा एक घूँट में खतम करना, और मैंने भी दूसरा ग्लास उठा कर मीना चाची के होंठों से लगा दिया। मीना चाची बड़ी ही मादरचोद थी। उन्होंने ड्रिंक पूरी नीट बनाई थी, बिना सोडे और पानी के। मीना चाची तो रोज़ जम कर पीती थी पर मैं तो अभी नौ–सिखया ही था। पर हिम्मत कर के मैंने भी एक घूँट में खाली कर दी और मीना चाची ने भी पूरी ड्रिंक एक घूँट में खली कर दी। मैंने कस कर उनकी कमर में बाहें डाल कर अपनी और खींच लिया और उनकी उठी हुइ मदमस्त चूचियों को दबाने लगा और मीना चाची को बोला *“मेरी जान एक सिगरेट पिल दो”* तो मीना चाची बोली *“डारलिंग सिगरेट मैं अपने स्टाइल से पिलाऊँगी।”*

इतना कह कर उन्होंने सिगरेट जलायी और एक कश ले कर अपने होंठ मेरे होंठों से लगा दिये और सारा धुआँ मेरे मुँह में छोड़ दिया। मेरे दोस्तों जो सिगरेट के शौकीन हैं, मेरे कहने से एक बार ऐसे सिगरेट पी कर जरूर देखें, वादा करता हूं की आपका लंड एकदम उबाल खा जायेगा। मैंने कस कर मीना चाची की एक चूँची जो मेरी हाथेली में थी बहुत ही बे–दर्दी से मसल दिया। मीना चाची भी चिहुँक उठी, और बोली *“तुम बड़े वोह हो जी, मेरी मस्त जवानी इतनी बुरी तरह से मसल कर रख दी।”* मैंने भी कहा *“मीना रानी आज तुम्हारे जोबन कुछ ज्यादा ही उभार लिये हुए हैं, तुमने क्या जादू करा है कि सुबह से लेकर शाम तक तुम्हारी चूँची एक दुम इतनी बड़ी हो गयी।”*

Author: Sunil Jain

मीना चाची शर्माते हुए बोली कि "मैं आज तुमको उन चूचियों का मज़ा देना चाहती हूँ जो मेरी शादी के समय थी। इसी लिये मैंने आज इस टाइट माइक्रो ब्रा में अपनी छातियों पर कसी है ताकि मेरी चूचियाँ उसमें समायें नहीं और फूट-फूट के बाहर निकल आने को तरसें।"

Devnagari Script By: SINSEX

मीना चाची बोली "मेरी चूचियाँ कब से तड़प रही हैं तुम्हारे होंठों से चुसाने के लिये।" मैंने भी बिना देर करे हुए अपने हाथ पीछे ले जा कर मीना चाची की माइक्रो-ब्रा के हुक खोल दिये। ब्रा के हुक खुलते ही मीना चाची कि चूचियाँ एक दम स्प्रिंग की तरह उछली और मचल कर ब्रा की कैद से बाहर आ गयी। मीना चाची ने अपने भूरे रंग के निप्पलों को आज रूज़ लगा कर एक दम गुलाबी बनाया हुआ था और मैंने बे-सब्री से उन पिंक निप्पलों को अपने मुँह में ले लिया और लम्बे-लम्बे चुस्से मारने लगा। रूज़ लगे होने के कारण मीना चाची के निप्पल एक दम चैरी की तरह मीठे थे। मीना चाची की तो सितकारी ही निकली जा रही थी और मेरी तो ऐसी इच्छा हो रही थी कि मीना चाची कि चूत का जूस इन निप्पलोंसे निकले और मैं पी जाऊँ। मीना चाची मेरे सिर को अपनी चूचियों पर दबाती हुइ सितकारियाँ भर रही थी और बोल रही थी कि "मेरे सनम पी ले मेरे जिस्म का नशा। आज तो जी खोल के अपनी जवानी का नशा पिलाऊँगी तुझे। अरे मादरचोद चूस ले मेरे निप्पलों को" और चाची ने अपने हाथों से मेरी चड्डी उतार दी जिससे मेरा लौड़ा मीना चाची के पेट पर टक्कर मारने लगा। मीना चाची लंड को कस कर अपने हाथों से दबा रही थी और बोली "वाह मेरे बहन के लौड़े! अपनी दुल्हन से मिलने के लिये चिकना बन कर आया है। आज देखती हूँ कि किसकी माँ चुदती है, मेरी चूत की या तेरी।"

मीना चाची ने मेरे बाल पकड़ कर अपनी चूचियों पर से मेरा सर उठाया और बोलीं "डारलिंग पहले एक मीठा सा चोदा लगा दे, मेरी बूर इस समय धड़क रही है, नहीं तो जल कर खाक हो जायगी। बाद में आराम से चूसाते हुए और चाटते हुए एक दूसरे को चोदेंगे।" मेरा भी बुरा हाल था। सुबह की चुदाई के बाद तो मैं भी तड़प रहा था मीना चाची को चोदने के लिये। मैंने उनको अपनी गोदी में उठा कर बिस्तर पर लिटा दिया और मीना चाची की टाँगें फैला कर जी-स्ट्रिंग उतारी। वाह क्या नज़ारा था! मीना चाची ने अपनी चूत के लिप्स भी रूज़ लगा कर गुलाबी करे हुए थे। मैंने कहा "मीना थोड़ा सा और तड़प ले मेरी जान अभी तो तेरी बूर के लिप्स मुझे इनवाइट कर रहे हैं चूसने के लिये" और बोलते हुए मैंने अपने होंठ मीना चाची की बूर के होंठों से चिपका कर जीभ चूत में घूसेड़ दी।

मीना चाची बोलती रहीं कि, *"मेरे राजा मैं अपनी चूत का पहला पानी तेरे लंड पर झाड़ना चाहती हूँ। मादरचोद बाद में चाट लियो मेरी बूर। अभी तो अपने गन्ने से मेरी बूर को चूत बना दे। जालिम कितना और तड़पायेगा अपनी मीना को।"* मैंने देखा की मीना चाची की चूत से उनका थोड़ा-थोड़ा मदन रस रिसना चालू हो गय था और अगर मैं ज्यादा उनकी चूत चूसता तो वोह वहीं पर अपना सारा माल निकाल देतीं। मैंने उनकी चूत पर से मुँह हटा लिया और मीना चाची के ऊपर चढ़ कर उनकी मोटी-मोटी चूचियों पर अपने चूतड़ रखे और अपना लंड मीना चाची के समने लहराते हुए बोला *"मेरी जान! जरा अपनी चूँची के निप्पल से मेरी गाँड मारो और मेरे लंड को अपने होंठों का प्यार दो। फिर देखो आज तुम्हारी चूत की क्या भजिया बनाता हूँ।"* मीना चाची ने झट से मेरा लौड़ा अपने होंठों में ले लिया और दोनो हाथों से अपनी चूँची पकड़ कर कभी एक निप्पल तो कभी दूसरा निप्पल मेरी गाँड के छेद पर रगड़ने लगी और मैं धीरे-धीरे मीना चाची का मुँह चोद रहा था और बोला, *"मेरी जान! आज तो लंड की पहली धार तुम्हारे मुँह में ही उतारूँगा। ज़रा तबियत से चूस। मेरी प्यारी जान तू लंड के खड़े होने की चिंता मत कर। झड़ने के बाद, आज तो जम के तेरे साथ सुहाग रात मनानी है। मैं तो आज पूरी रात चोदूँगा।"* फिर धीरे से मैंने अपने शॉट की स्पीड बढ़ा दी और हुमच-हुमच के मीना चाची के मुँह में लंड पेलने लगा। एक शॉट में पूरा जड़ तक उनके गले तक उतार देता और उसी क्षण खींच के बाहर निकाल लेता और इस से पहले कि चाची सम्भलें, दोबारा लंड उनके गले तक उतार देता। मीना चाची भी पीछे नहीं थी। वाकय में ऐसे चूस रही थी जैसे सदियों से लंड चूसने के लिये तरस रही हों। मैं पाँच मिनट तक उनके मुँह को ऐसे ही चोदता रहा और आखिर में अपना पूरा लंड उनके गले में फंसा कर बल-बला कर झड़ गया। मीना चाची के गले में पूर लंड फंसा होने के कारण मेरी पूरी धार सीधी उनके गले में उतर रही थी और वोह हरामजादी चाची भी बिना नुकुर-पुकुर किये मेरा रस पी रही थीं।

पूरा रस निकलने के बाद जब मैंने अपना लंड उनके मुँह से निकालना चाहा तो उन्होंने मेरे चूत्तड़ पकड़ कर अपने मुँह पर दबा लिये और मेरे झड़े हुए लंड की दोबारा से चूसाई चालू कर दी। मैं तो इस नशीली चूसाई से पागल हो गया। झड़ कर दोबारा चूसवाने में जो मज़ा आ रहा था उसका वर्णन करना बड़ा मुश्किल है। मेरा साला लंड भी मादरचोद हो गया था। पाँच मिनुट की चूसाई में ही साला फिर से तैयार हो गया था। मैंने कहा *"मीना आ जाओ अब तुम्हारी चूत रानी बजाता हूँ।"* वोह थोड़ा सा लंड अपने मुँह से निकाल के बोली, *"थोड़ा सा और ठहर मेरे राजा, अभी थोड़ा और चूस के लोहे की तरह बना दूँ, फिर जम के मेरी चूत बजाड़ओ"*, बोलकर उन्होंने मेरा पूरा लंड मुँह के

Author Sahil Jain

बाहर निकाला और सिर्फ़ मेरे लंड के सुपाड़े को और मूतने वाले छेद को अपनी जीभ में लपेट-लपेट कर जो मज़ा देना चालू किया वोह अभी तक का सबसे गुद-गुदाने वाला मज़ा था।

Devnagari Script By SINSEX

मैं मस्ती में आ के अपने चूत्तड़ों के नीचे दबी हुई उनकी मोटी- मोटी चूचियों को बड़ी बुरी तरह से मसलने लगा। करीब दो तीन मिनट ऐसे करने के बाद मेरा लंड वाकय में दोबारा फटने की कगार पे आ गया था। मीना चाची इसे भाँप चूकी थीं। इसी लिये उन्होंने जीभ फेरना बंद करा और बोली, *"अब आजा मेरे राजा! अब मेरी बूर खोल दे इस लौड़े से।"* मैं मीना चाची के उपर से हट कर उनकी जाँघों के बीच आ गया और उन्होंने भी अपनी जाँघें पूरी खोल दीं थी और अपनी उंगली से अपनी चूत के लिप्स खोल दिये थे जिससे उनका रस में डूबा हुआ गुलाबी छेद दिख रहा था। मीना चाची बोलीं, *"देख ले मेरे राजा अपनी पूरी खोल के दे रही हूं, बाद में मत कहना कि मीना चाची ने खोल के चुदवाई नहीं।"* मैंने आगे बढ़ कर अपने लंड का सुपाड़ा मीना चाची की चूत के खुले हुए लिप्स के बीच में रख दिया और हाथ से पकड़ कर आराम से उनके गुलाबी छेद पर अपना सुपाड़ा रगड़ने लगा और मीना चाची से पूछा कि *"आज तुम्हारी चूत हलाल करूँ कि झटका चोदूँ?"* मीना चाची बोलीं, *"हलाल तो बहुत हो चुकी मेरे राजा! आज तो झटका चुदाई कर दो और माँ चोद दो मेरी चूत की।"* मैंने घुटने के बल हो कर मीना चाची की दोनों टाँगें अपने कँधे पर रख कर उन्हें फैला दिया और अपनी गाँड का पूरा जोर लगा कर एक करारा सा झटका मारा जिससे मेरा पूरा साड़े आठ इन्च लम्बा लौड़ा मीना चाची की चूत में समा गया। मीना चाची क्षण भर के लिये तो चीखीं और फिर बड़-बड़ाने लगीं, *"मादरचोद! आखिर तुने मेरी चूत की माँ चोद ही डाली। अरे भोसड़ी वाले मैंने यह थोड़ी बोला था कि अपना पूरा गन्ना मेरी चूत में एक झटके से उतार दियो। बहन के लौड़े! आज मुझे वाकय में लग रहा है के मेरी असली सुहाग रात तो आज है। इतना दर्द तो मुझे पहली सुहाग रात को भी नहीं हुआ था। मेरे राजा क्या लौड़ा दिया है! मेरी तो चूत आज वाकय में चूत बन गयी। मेरे सैंया तूने आज मुझे धन्य कर दिया। मैं तो तेरी गुलाम हो गयी। मादरचोद! तू मेरा खसम बन जा आज से। ले मेरी चूत चोद ले जितनी चोदनी है।"*

मैं तो बस लगातार दना-दन उनकी चूत में अपने लौड़े के धक्के दिये जा रहा था। जब भी मेरा धक्क लगता तो मेरी जाँघें मीना चाची के चूत्तड़ों और जाँघों से लग कर थप-थप की आवाज़ पैदा कर रही थीं। करीब आठ-दस मिनट के ज़ोरदार धक्कों के बाद मीना चाची किलकारी मारते हुए मेरे लंड पर अपना पानी फेंक दी। मैंने भी मीना चाची की टाँगें

Author Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

अपने कँधों से उतार कर नीचे कर दीं और उन्हें चौड़ा कर के मीना चाची के ऊपर लेट कर कसके उनको अपनी बाहों में भर लिया और अपने होंठ उन के रसीले होंठों पर एक बार फिर से जमा कर उनकी जीभ को चूसने लगा। बड़े आराम से मैं अपने चूत्तड़ उछाल-उछाल के मीना चाची की चूत में अपना लौड़ा पेल रहा था। मेरी डारलिंग चाची ने भी अपने दोनों हाथ कस कर मेरे चूत्तड़ों पर दबाए हुए थे और जब मैं अपना लंड बाहर खींचता तब वोह अपने दोनों हाथों से मेरे चूत्तड़ दबा देती जिससे कि जल्दी से फिर मेरा लंड उनकी चूत में समा जाये।

करीब पँद्रह बीस मिनट तक ऐसे ही चुदाई करने के बाद मीना चाची बोली *"तुझे एक नया आसन बताती हूँ। उसमे मर्द का लंड औरत की चूत में पूरा अन्दर तक जाता है।"* इतना कह कर मीना चाची ने मुझे अपने ऊपर से उतरने के लिये कहा और मेरे समने घुटने के बल हो एक कुत्तिया की तरह हो कर अपने चूत्तड़ मेरी तरफ कर दिये और बोली, *"ले बहन के लौड़े अब तू कुत्ता बन। मैं अपनी चूत उभार के देती हूं और तू उसमें अपना मस्त गन्ना उतार और फिर कस-कस कर मेरे चूत्तड़ों पर धक्के मारते हुए तबला बजा।"* इतना कह कर चाची ने अपनी गाँड उपर की और उठा दी, चूचियों को बिस्तर पर टिका दिया और अपना पेट नीचे करके अपनी जाँघों के बीच में से मुस्कुराती हुइ बूर खोल दी और मीना चाची के चूत्तड़ चौड़े होने के कारण उनका मस्त भूरे रंग का गाँड का छेद दिख रहा था जिसको देख कर अन्दाज़ा हो रहा था कि मीना चाची ने अभी तक गुदा सम्भोग का लुत्फ नहीं उठाया है।

दोस्तों इस समय वो नज़ारा दिख रहा था कि मैं अपने आप को रोकने में नाकाम था। मैने मीना चाची की रिस रही बूर में लंड थोड़ा सा घिसा और धक्का मार कर पूरा लंड उनकी चूत में झटके से उतार दिया। वाह क्या मज़ा आया! जैसे ही मैंने अपनी जाँघों से मीना चाची के फूली हुई चूत्तड़ों पर जम के धका दिया, मक्खन की तरह मेरा लंड मीना चाची की उभरी हुई चूत में घुसा और मेरे धक्के के दबाव से मीना चाची के चूत्तड़ स्पंज की तरह दब कर फैल गये और फैल कर और चौड़े हो गये और बाद में स्पंज की ही तरह फिर से फूल कर अपनी शेप में आ गये जिससे मुझे मीना चाची के चूत्तड़ों का धक्का महसूस हुआ। मुझे इस आसन में मीना चाची की चूत लेने में बहुत मज़ा आ रहा था और मैं और जोश के साथ चूत बजाने लगा। जोश में आकर मैंने अपनी एक उँगली अपने थूक से गीली की और इससे पहले कि वोह कुछ समझ पातीं, मैंने अपनी उँगली मीना चाची की गाँड में घुसा दी। वोह एक दम चिहुँक उठी और बड़-बड़ाई, *"क्या कर रहा है मादरचोद, मेरी चूत तो अपने लंड से भर दी अब क्या मेरी गाँड अपनी उँगली से*

भरेगा क्या? आज पहली बार किसी मर्द ने मेरी गाँड का छेद छेड़ा है। चल थोड़ा मेरी गाँड में अपनी उँगली चला दे।" वाक्य में बहुत ही टाइट गाँड का छेद था। उँगली गीली होने के बावजूद बड़ी कसी-कसी उनकी गाँड में घुस रही थी। करीब आठ-दस मिनट तक कुत्ता चुदाई में मीना चाची दो बार अपनी चूत का पानी निकाल चूकी थी और मेरे हर शॉट का जम कर जवाब अपने चूत्तड़ों के धक्के से दे रही थी और बड़-बड़ाते हुए कह रही थी की *"मेरे सनम आज तो ज़िंदगी का असली मज़ा आ गया। बहन के लौड़े जब तेरा मूसल जैसा लंड पूरा मेरे अंदर घुस कर मेरी बचेदानी पर लगता है तो मैं तो बस गन-गना जाती हूँ। बहनचोद! तू मेरा मर्द क्यों नहीं बना? तुझसे तो इतना चुदवाती कि तू हमेशा मस्त रहता। मादरचोद तेरे से चुदवाकर मेरी चूत को पसीना आ जाता है। तेरी तो जिस से शादी होगी उसकी तो सुहाग रात वाले दिन माँ चुद जायेगी। ज़िन्दगी भर चोदना भूल जायेगी। चोद मेरे लंड, चोद, बहनचोद।"* मीना चाची बड़-बड़ाती रही और मैंने अपने धक्के चलू रखे। कुछ देर बाद मेरे लंड का पानी बहुत उबाल खा चुका था और मीना चाची की मस्त चूत में अपनी मस्ती निकालने के लिये बेकरार था। मैंने मीना चाची को कहा कि *"रानी अब तुम सीधी हो, मैं तुम्हारी चूचियों पर पसर कर तुम्हारा मुँह चूसते हुए झड़ना चाहता हूँ।"* मीना चाची मेरा लंड निकाल के फोरन सीधी हो गयी और मैंने भी बिना वक्त गवाये अपना लंड पूरा चूत में घुसेड़ कर उनके ऊपर लेट गया और मीना चाची कि दोनों चूचियाँ अपने हाथों में पकड़ कर अपने होंठ उनके रसीले होंठों पर रख कर और चूसते हुए दना-दन उनकी चूत में शॉट लगाये और जब मेरा लंड झड़ा, उस समय तो मैंने इतनी जोर की शॉट मारा कि मीना चाची ने भी दर्द के मारे अपनी गाँड एक फुट हवा में उछाल दी, जैसे कह रही हो *"ले मादरचोद! भर मेरी चूत को।"* मीना चाची ने मेरा पूरा माल अपनी चूत में सोख लिया और कसके मुझे अपने बदन से चिपका लिया और बुरी तरह मेरा मुँह चूसने लगी। मुझे तो इस चुदाई में सुबह से ज्यादा मज़ा आया था और इतनी देर चोदने के बाद मीना चाची के गुदाज़ बदन पर लेटना बहुत ही अच्छा लग रहा था।

थोड़ी देर बाद मैंने उनकी चूत से अपना लंड निकाला तो मीना चाची टपाक से उठ बैठीं और मेरा लंड चूसने लगी और अच्छी तरह से चूस कर पूरा लंड साफ कर दिया। मीना चाची ने आगे बढ़कर दो सिगरेट जलाईं और बोली, *"सुनील डारलिंग! आज से तू सिर्फ मेरा मर्द है। तेरा चाचा तो बस नाम का मेरा पती है। मैं सिर्फ तेरी गुलाम बन कर रहूँगी। तूने मुझे जीवन का वोह सुख दिया है जिसके लिये मैं पिछले १६ साल से तरसी हूं। बस मुझे दिन में एक बार जरूर चोद दिया कर। देख मेरी चूत अभी तक तेरे धक्कों से हिली हुई है। आज मुझे मालूम पड़ा असली मर्द क्या होता है। मेरे बलम देख तो सही मैं तेरे*

Author: Sunil Jain

लंड से किस-किस को खुश करवाती हूं।"

मैंने भी सोचा मीना चाची इस समय चुदवा कर पूरी तरह मस्त है, क्यों ना अपने दिल की बात कह दूँ। मैंने बड़े प्यार से मीना चाची का चेहरा अपने हाथ से अपनी तरफ घुमाया और हिम्मत करके बोल डाला कि *"मीना देखो आज के बाद तुम हमेशा मेरी रहोगी। मैं हर रोज़ तुम्हारी चूत की ऐसी सिकाई करूँगा कि तुम्हें रात में चाचा से चुदवाने कि इच्छा ही नहीं होगी पर तुम मेरा एक काम करवा दो डारलिंग! ज़िंदगी भर तुम्हारा गुलाम बन कर रहूँगा।"* मीना चाची बोलीं, *"बोल शरमाता काहे को है? अब तो मैं तेरी पत्नी हो गयी, अब तो तू दिल खोल के बोल जो भी बोलना है। अगर तू मेरी गाँड मरना चाहता है तो मेरे राजा मैं उसके लिये भी तैयार हूँ। अपने इस प्यारे साजन को नहीं दूँगी तो और किस को दूँगी। अगर कुँवारी चूत ना दे सकी तो क्या, अपनी कुँवारी गाँड तो दे ही सकती हूं।"*

मैंने कहा, *"नहीं मीना बात असल में ये है कि कल मैं तुम्हारी चुदाई देखने के बाद अँजाने में ही सोनिया के कमरे में चला गया था और वहाँ पर उसके बदन को मैंने खूब चूसा और चाटा था और बाद में उसकी गाँड खूब सूँघी और चाटी थी। मीना! जो उसकी ताज़ी चूत की खुशबू आ रही थी वोह मैं बता नहीं सकता। मैं सोनिया का शरीर भोगना चाहता हूं।"* मीना चाची थोड़ी सी संजिदा हो गयी और बोली, *"सुनील तू क्या कह रहा है? तू एक माँ से उसकी बेटी चुदवाने के लिये कह रहा है। मुझे मालूम है कि वोह इतनी सुंदर दिखती है कि कॉलोनी के कई लड़के उसकी तरफ ऐसे देखते है जैसे वहीं सड़क पर लिटा कर चोद डालेंगे।"* मैंने कहा, *"चाची तुम ही ने तो कहा था कि अगर तुम्हें मालूम होता कि तुम्हारी शादी ऐसे गाँडू से होगी तो तुम शादी से पहले जम कर चुदवाती। क्या मालूम सोनिया को भी तुम्हारी तरह इस आग में ना जलना पड़े। घर की बात है, घर में ही रहेगी और अगर सोनिया से मेरे शारिरिक सम्बंध बन जाते है तो हम तीनों दिन भर चुदाई का मज़ा उठा सकते है। घर कि बात घर में ही रहेगी और किसी को मालूम भी नहीं पड़ेगा। चाचा तो सुबह आफिस चले जाते हैं और रात को नौ-दस बजे आते हैं और एक बार सोनिया ने मुझ से चुदवा लिया तो वोह भी ठंडी रहेगी क्योंकि अभी नहीं तो अगले साल से उसकी भी चूत में कीड़े रेंगने चालू हो जायेंगे, तो क्या पता किससे जा कर चुदवा ले।"* मीना चाची मेरे होंठों को प्यार से चूमते हुए बोली *"सुनील तूने बात तो बहुत सही कही है और मैं नहीं चाहती कि सोनिया भी मेरी तरह इसी आग में जले। चल तू चिंता मत कर उसे वापस आने दे। मैं मौका देख कर उसे तैयार कर लूँगी।"*

बातें करते और सिगरेट पीते हुए काफी देर हो चुकी थी और इस दौरान मीना चाची बारबार अपने हाथ से मेरा लंड रगड़ते हुए अपनी चूचियाँ मेरे ऊपर घिस रही थीं और सोनिया की चूत मिलने की खबर से मेरा लंड फिर से तन कर मैदान में आ गया था। मीना चाची ने तो सोचा भी नहीं था कि इतनी जल्दी मेरा लंड फिर से तैयार हो जायेगा। इस बार मीना चाची ने कहा कि वोह अपने तरीके से मुझे चोदेंगी, और आराम से एक सिगरेट जला कर मुझे नीचे लिटा कर अपनी दोनो टाँगें चौड़ी कर के मेरे लंड के उपर खड़ी हो गयीं और धीरे-धीरे अपने घुटनों के बल बैठने लगीं। जब उनकी चूत मेरे लंड तक पहुँची तब उन्होंने एक हाथ बड़ा कर मेरा लंड पकड़ा और चूत के मुँहाने पर घिसने लगी, और थोड़ी देर घिसने के बाद गपाक से अपनी जाँघें चौड़ी कर के मेरे लंड पर बैठ गयीं और उछल-उछल कर मुझे चोदने लगीं। मुझे तो इस आसन में बहुत मज़ा आ रहा था। मैंने लेटे हुए अपने हाथ आगे बढ़ा कर उनके फूले हुए मस्त गुबारे जो मदमस्त हो कर झूल रहे थे, पकड़ कर मसलने चलू कर दिये।

मीना चाची ने मुझे करीब आधा घँटा तक इस आसन में चोदा और खूब अपनी चूत का पानी निकाला। हमने उस रात दो बार और सम्भोग करा और पस्त हो कर एक दूसरे की बाहों में सो गये। हफ़्ते भर तक, जब तक सोनिया वापस नहीं आयी हम लोग दिन भर नंगे पड़े रहते थे और एक दूसरे को जी भर के भोगते थे। इस दौरान मीना चाची ने मुझे कई नए आसन और चोदने के तरीके बताए। हमने ब्लू फ़िल्म भी देखी और उसमें देख-देख कर हम भी उनकी नकल करते हुए एक दूसरे को चोदते थे। सोनिया के वापस आने के एक दिन पहले मीना चाची को अपने भाई के घर जाना पड़ा। जाने से पहले मुझे समझा के गयीं के *"देख कल सुबह सोनिया आ जायेगी और मैं परसों से पहले नहीं आ पाऊँगी। अपने मस्ताने पर काबू रखियो और यह मत सोचियो कि मैंने सोनिया को चोदने कि इजाज़त दे दी है तो तू उसे अकेले में पा कर चोद लेगा। मैं बड़े तरीके से उसे समझा कर तेरे साथ चुदवाऊँगी। मेरे राजा मज़ा चुदाई में तब आता है जब मर्द और औरत मिल के सम्भोग करें"* इतना समझा कर मीना चाची चली गयीं।

अगले दिन सुबह ही सोनिया को आना था। मैं उसे स्कूल से दस बजे जाकर ले आया। अबकी बार सोनिया को देखने का मेरा नज़रिया ही कुछ और था। मैं रास्ते भर उसे अपनी आँखों से नंगा करता रहा, और सोनिया मुझे अपनी ट्रिप के बारे में बताती जा रही थी। उसे क्या मालूम था कि उसकी माँ और मेरे बीच में क्या सम्बंध बन चूके थे

Author Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

जिस के कारण मुझे उसके बदन की कुँवारी नशीली शराब पीने को मिलने वाली थी। घर आ कर सोनिया बोली *"भैया मैं तो नहा धो कर एक चाय पीयूँगी और सोऊँगी। मेरे प्यारे भैया! मैं इतने नहा कर आती हूँ, तुम मेरे लिये चाय बना दो।"* मैंने कहा *"कोई बात नहीं तू आराम से नहा ले।"* मेरे दिमाग में तो सिर्फ़ सोनिया को चोदने का नज़ारा घूम रहा था। एका एक मुझे एक आइडिआ सुझा जो मैंने एक किताब में पढ़ा था। सोचा क्यों ना ट्राई मार के देखूँ। यही सोच के मैं चुप-चाप मीना चाची के कमरे में गया और नींद की चार-पाँच टेबलेट ला कर सोनिया की चाय में मिला दी। मुझे मीना चाची ने कल ही बताया था कि जब कई बार वोह रात को चुदाई के लिये बहुत परेशान हो जाती थीं और सो नहीं पाती थीं तो वोह नींद की गोली लेकर सो जाती थीं।

इतने में सोनिया भी नहा-धो कर बाहर आ गयी थी। मुझे आज तक पता नहीं चल पाया है कि लड़कियाँ और औरतें, बहन की लौड़ियाँ इतने सैक्सी कपड़े क्यों पहनती हैं कि जिससे मर्द बे-काबू हो जाये। क्या हर औरत मन ही मन यह चाहती है कि कोई उसे चोदे? सोनिया ने भी ऐसी नाइटी पहनी हुइ थी जो फ्रंट ओपेन थी और जिस से सिर्फ उसके चूत्तड़ और आधी जाँघें छिप रही थी और स्लीवलेस होने के कारण उसकी बगल के छोटे-छोटे रोंए दिख रहे थे। नाइटी का कपड़ा इतना मोटा नहीं था, जिसके कारण उसकी छाती पर उठ रही नोकों से मालूम पड़ रहा था कि उसने अंदर ब्रा नहीं पहनी, और जब वोह चौंकड़ी मार कर मेरे सामने पलंग पर बैठी तो मेरा तो बुरा हाल हो गया। उसकी चिकनी जाँघें और चड्डी में कसे हुए उसके चूत्तड़ और चूत की मछलियों को देख कर मेरा लंड तन गया। मैंने बड़ी मुश्किल से अपने ऊपर चद्दर डाल कर खुद को शरमिन्दा होने से बचाया।

चाय पीते समय सोनिया ने बताया कि अबकी बार उसे ट्रिप में बहुत मज़ा आया और उसने अपनी सहेलियों के साथ खूब मस्ती करी। थोड़ी देर में वोह बोली, *"भैया मुझे बहुत जोर से नींद आ रही है, मैं तो अपने कमरे में सोने जा रही हूँ।"* मैंने करीब आधा घंटा वेट करा और अपने कमरे में बिस्तर पर लेट कर अपने लंड को मीना चाची के हाई हील के सैंडल से सहलाता रहा। उसके बाद मैं उठा और सोनिया के कमरे कि तरफ गया। सोनिया ए.सी. चला के आराम से दरवाज़ा बंद करके सो रही थी। मैंने चुप-चाप दरवाज़ा खोला और कमरे में घुस गया। सोनिया बड़े आराम से बिस्तर पे पीठ के बल हो कर सो रही थी और उसकी नाइटी जो पहले से ही छोटी थी, और उठ कर उसकी नाभी तक चड़ गयी थी, जिससे कमर के नीचे का सब कुछ दिख रहा था। उसकी चड्डी में छुपी हुई चूत के उभार साफ-साफ दिखाई दे रहे थे। मेरा तो

मादरचोद लंड साला हरामी, देख कर ही खड़ा हो गया। मैंने सोनिया के पास जा कर उसके कँधे पकड़ कर थोड़ा जोर से हिलाया और बोला *"सोनिया देख तेरी सहेली का फोन आया है।"* सोनिया को कुछ फरक नहीं पड़ा। वोह तो बस बे-खबर हो कर सोती रही। मैंने फिर भी अपने को पक्का करने के लिये फिर से उसे जोर से आवाज़ दी और हिलाया पर उसको नींद की गोली के कारण कोई असर नहीं हुआ।

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

मैंने सबसे पहले अपने कपड़े उतारे और पूरा नंगा हो कर सोनिया की नाइटी के आगे के बटन खोलने लगा और एक एक करके सारे बटन खोल दिये। दोस्तों, उस समय मेरे हाथ काँप रहे थे क्योंकी आज मैं इतनी हिम्मत करके सोनिया का गोरा दूधिया बदन देखने जा रहा था जिसकी चड्डी और ब्रा सूंघ-सूंघ कर खूब मुठ मारा करता था। सोनिया एक दम दूध की तरह गोरी थी और आज से पहले मैं बहुत तड़पा था उसका नंगा बदन देखने के लिये। नाइटी के सारे बटन खुलते ही उसके छोटे-छोटे मस्त खिलौने नंगे हो गये और मैंने देखा कि सोनिया के निप्पल भूरे नहीं बल्कि पिंक थे।

सोनिया अब सिर्फ मेरे समने एक चड्डी में लेट कर बे-खबर सो रही थी। मैंने झुक के अपने होंठ खोल के सोनिया के गुलाबी निप्पल अपने होंठों में दबा लिये और उसकी जवान, अभी तक अनछूई मस्त ३२ सैज़ की चूँची अपने हाथ में भर ली। मीना चाची की बड़ी बड़ी गदरायी हुई चूचियों को दबाने के बाद जब मैंने सोनिया की चूचियाँ दबाईं, तब मालूम पड़ा कि साली लौंडिया कि चूँची क्या चीज़ होती है। ऐसा लग रहा था जैसे किसी सख्त अनार को पकड़ लिया हो। दूसरा हाथ मैंने सोनिया की चड्डी में डाल दिया और उसकी बूर को अपने हाथों से फील करने लगा। सोनिया की चूत पर मेरा हाथ टच होते ही मैं तो ऐसा गन-गनाया कि मैंने सोनिया के मस्त कचे अनार छोड़ कर दोनों हाथों से उसकी चड्डी उतारने लगा। माँ कसम दोस्तों! क्या साली कुँवारी बूर थी मेरी आँखों के सामने। झूठ नहीं बोलूँगा, इच्छा तो यह करी कि उसकी टाँगें खोल के अपना लौड़ा सरका दूं उसकी कसी चूत में, पर मीना चाची की इन्सट्रक्शन याद आ गयी।

सोनिया की कुँवारी चूत होने के कारण उसकी बूर के लिप्स अभी तक खुले नहीं थे, बल्कि बड़े कायदे से एक लैन में थे और उसके ऊपर उसकी रेशमी झाँटें एकदम ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने धार-दार चूत को छिपाने के लिये एक मखमली कारपेट बिछा दिया हो। मेरा तो लौड़ा बुरी तरह से अकड़ गया था। मैं भी बिना समय गँवाये मौके का पूरा लाभ उठाना चाहता था और मैं पूरा नंगा सोनिया के ऊपर चड़ गया। मेरा

Author: Sunil Jain

लंड एकदम सोनिया की रेशमी झाँटों के कार्पेट पर लग गया था।

मैंने मारे मस्ती के सोनिया के पूरे नंगे बदन को अपनी बाहों में कस कर भर लिया और उसके नरम रस भरे होंठों पर अपने होंठ रख दिये और तबियत से उन्हें चूसने लगा। सोनिया की चूचियाँ इतनी सख्त थीं कि मेरी छाती में उसके निप्पल चुभ रहे थे और वोह कसे हुए अनार जो मेरे सीने से लग कर थोड़े से दब गये थे, बहुत ही प्यारा सुख दे रहे थे। मेरा बदन तो मारे मस्ती के काँप रहा था, और मैंने अपने आप को थोड़ा सम्भालने के लिये एक सिगरेट जलाई और उसके ऊपर अपना लंड घिसने लगा। शुरू में तो मेरी यह हालत थी कि बस अभी रस निकला, पर बड़ा कँट्रोल करने के बाद मैं अब बड़े आराम से उसकी रेशमी झाँटों में अपना लंड घिस रहा था। दोस्तों! इतना मज़ा आ रहा था कि कलपना करना भी मुशकिल है। सिगरेट खतम होने के बाद मैंने अपने मुँह में उसकी चूँची भर ली और जोर-जोर से चूसना चालू कर दिया। चूचियों का टेस्ट इतना नशीला था कि इतनी देर से रोका हुआ मेरे लंड का लावा पूरा सोनिया के पेट पर निकल गया और मैं भी परवाह किये बिना सोनिया कि तन्नाई हुई चूचियाँ चुसने में लगा रहा।

दोस्तों! मैंने किताबों में सिर्फ पढ़ा था कि जवान चूँची चूसने से लंड तन्ना जाता है पर मैंने तो उस समय खुद अनुभव किया कि मादरचोद मुश्किल से तीन या चार मिनट में फिर से गन्ना बन गया। मैंने उठ कर कपड़े से सोनिया का पेट साफ करा और एक हाथ से अपना लंड पकड़ कर सोनिया के होंठों पर घिसने लगा। क्या सनसनाहट हो रही थी कि मेरा लंड और कस गया। करीब पाँच-दस मिनट बाद मैंने सोनिया कि टाँगें खोलीं और उसकी जाँघों को चूसता हुआ अपनी जीभ उसकी कुँवारी बूर पर ले गया। मैंने भी अपनी जीभ की धार सोनिया के बूर की दरार पर खूब घीसी। बाद में जब मस्ती बढ़ गयी तब मैंने अपने होंठ पूरे चौड़े किये और सोनिया की मस्तानी चूत अपने मुँह में भर ली और चूसाई चालू कर दी। क्या मादक सुगँध आ रही थी। मैं तो जन्नत में था। करीब आधा घंटा बूर का मज़ा अपनी ज़ुबां से लूटने के बाद मैं उसकी खुली टाँगों के बीच बैठ गया और अपने लंड को एक हाथ से पकड़ कर दूसरे हाथ से अपना सुपाड़ा सोनिया की चूत के लिप्स खोल कर घिसने लगा। थोड़ी ही देर में लौड़ा इतना उबाल खा गया कि इससे पहले मैं रोक पाता सोनिया के खुले लिप्स के उपर ही मेरा लंड झड़ गया। मैंने करीब दो घँटे सोनिया के शरीर के साथ जी भर के खेला, और बाद में फिर से उसे चड्डी पहना कर और नाइटी ढँग से बंद कर के मैं बाहर आ गया और टी.वी. देखने लग गया।

Devnagari Script By: SINSEX

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

सोनिया करीब शाम को पाँच बजे उठी और उन ही कपड़ों में मेरे पास आ कर बैठ गयी और बोली *"भैया शरीर बहुत दुख रहा है।"* मैने कहा *"कोई नहीं सोनिया थोड़ा सा सुस्ता ले अभी तू ट्रिप से आयी है इसके लिये थकान ज्यादा हो गयी है।"* सोनिया वहीं पर मेरी जाँघों का सहारा ले कर लेट गयी और सुस्ताने लगी। थोड़ी देर बाद वोह उठी और फ्रेश होने के लिये चली गयी। शाम के साढ़े सात बज चुके थे। मैं मीना चाची के कमरे से व्हिस्की कि बोत्तल ले आया और अपने वास्ते एक पैग बनाया और टी. वी. देखने लगा। इतने में सोनिया बाहर आयी और मुझे पीते देख बोली, *"भैया आप कब से पीने लग गये, मैं पापा–मम्मी से आप्की शिकायत कर दूँगी।"*

मैंने कहा, *"सोनिया तेरी मम्मी को मालूम है। मैं कभी–कभी उनके साथ छुप कर पी लेता हूं।"* मैंने सोनिया को नहीं बताया कि तेरी मम्मी ने ही मुझे हफ़्ते भर पहले पीन सिखाया है। *"और मेरी प्यारी बहन तू क्या मेरी शिकायत करेगी! सची में?"* तब सोनिया बड़े ही शरारती मूड में मुझसे बोली, *"एक शर्त है! आपको मुझे भी टेस्ट करानी पड़ेगी।"* मेरे को तो जैसे मन माँगी मुराद मिल गयी। मैंने कहा *"चल तू बैठ। मैं तेरे लिये एक पैग बना कर लाता हूं।"* मैंने अंदर जा कर तीन पैग के बराबर एक पैग बनाय और बाहर आ कर सोनिया को दे दिया। सोनिया एक दम मेरे बगल में बैठी और पहला घूँट उसने ऐसे पीया जैसे कोई कोका कोला हो। पूरा आधा ग्लास एक झटके में पी गयी। फिर बोली, *"क्या भैया यह तो कड़वा है।"* मैंने कहा *"कोई नहीं, आराम से एक एक घूँट भर के पी तब मज़ा आयेगा।"* टी.वी. पर रोमाँटिक फिल्म चल रही थी। मैं मीना चाची के रूम से जा कर सिगरेट ले कर आ गया। सोनिया पर अब खुमारी चड़नी चालू हो गयी थी।

मैंने जब अपने वास्ते एक सिगरेट जलाई तो वोह बोली, *"भैया ये आप को क्या हो गया है, पहले शराब, फिर सिगरेट।"* मैंने कहा, *"सोनिया शराब का मज़ा दूगना हो जाता है स्मोक करने से।"* उसने मेरे हाथों से सिगरेट छीन कर एक जोरदार कश लगाय। पहली बार पीने के कारण उसको खाँसी लग गयी। मैं एकदम घबरा उठा और उसकी पीठ सहलाने लगा और पेट के ऊपर हाथ ले जा कर उसे पीछे आराम से सोफे पर बैठाने की कोशिश करने लगा। नाइटी का कपड़ा चिकना होने के कारण मेरे हाथ फिसल गये और उसकी पूरी लैफ्ट साइड की चूँची मेरे हाथ में आ गयी। सोनिया ने उसका कुछ बूरा नहीं माना और मैं भी उसकी चूँची दबाये हुए सोफे पर पीछे खींच लाया और बोला, *"सोनिया ऐसे थोड़ी पी जाती है! देख मैं बताता हूं कि कश कैसे*

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

लिया जाता है।” सोनिया शायद खाँसी से थोड़ा घबरा गयी थी। इस कारण वोह मेरी बाहों का सहारा ले कर मेरे आगोश में बैठ गयी। पहले तो मैंने उसे उसका पैग दिया और बोला *“ले एक घूँट लगा ले, थोड़ा सा आराम मिलेगा और फिर एक कश लगा।”* दो–तीन बार कश लगाने के बाद सोनिया को मज़ा आने लगा और बोली, *“भैया मुझे एक पैग और दो मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।”* मैंने फिर से पहले जैसा पैग बना कर सोनिया को दे दिया। अब वोह पैग और सिगरेट तो ऐसे पी रही थी जैसे कब से उसकी आदत हो और अब वोह थोड़ा मस्ती में भी आ गयी थी।

अचानक उसने मेरे से पूछा *“भैया ये लंड क्या पेनिस किसको कहते है?”* मैं तो सोनिया के मुँह से लंड सुन कर हक्का बक्का रह गया। मैंने कहा, *“तेरे को यह किसने बताया?”* सोनिया बोली, *“मेरी सहेली पिंकी ने मुझे बताया है कि लंड लेने में बड़ा मज़ा आता है। वोह बता रही थी कि यह सब आदमियों के पास होता है और इसे जब आदमी, औरत की वैजाइना में घूसेड़ता है, उसे चोदना कहते हैं जिसमे बड़ा मज़ा आता है और उसी से बच्चा भी होता है। वोह अपने नौकर का खूब लंड लेती है। बताओ न भैया ये लंड क्या पेनिस को कहते हैं जो मैंने अपनी बायलॉजी की बुक में देखा है? तुम्हारे पास भी तो होगा, मैं देखना चाहती हूँ।”* मुझे सोनिया के इस भोलेपन पर हँसी आ गयी।

मैंने कहा *“तुम सहेलियाँ आपस में ऐसे बातें करती हो”* तो वोह एकदम बोली *“भैया आप भी एक दम अनाड़ी हो। मैंने बताया तो था सुबह कि अब की बार ट्रिप पर बहुत मज़ा आया। अबकी पहली बार हम सबने यह बातें करी और पता है भैया? हम चारों को एक रूम मिला था और पिंकी इतनी बदमाश है उसी ने हम सबको यह सिखाया है। वो ही रात को हमारे सारे कपड़े उतार कर छुपा देती और फिर कहती थी कि एक–एक करके मेरे ऊपर अपना बदन घिसो और जब मैं कहूँ कि जा कर वहाँ से कपड़े ले लो तब तुम जा सकती हो। तीसरे दिन तो भैया उसने कमाल ही कर दिया। मैं सारी सहेलियों में गोरी हूँ तो उसने मुझे अपने नीचे लिटा लिया और बोली– सोनिया तुझे तो नंगा देख कर ही किसी का भी लंड झड़ जायेगा, अब तू चुप–चाप पड़ी रह और उसने मेरी वैजाइना पर अपना मुँह लगा दिया और अपनी जीभ से चाटने लगी। भैया बहुत मज़ा आया था। गोरी होने के कारण रोज़ तीनों मिल कर मेरे ऊपर चड़ती थीं और मुझे चूसती थीं। आज मैं जब से सो कर उठी हूं मेरे पूरे बदन में फिर से वैसी ही बेचैनी हो रही है जो मुझे तब होती थी जब मेरी सहेलियाँ मेरे साथ अपना बदन घिसती थीं।”*

Author Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

मैंने भी सोचा, मौका अच्छा है और सोनिया को बोला कि *"मैं तुझे अपना लंड दिखाऊँगा तो मुझे क्या मिलेगा?"* सोनिया फट से बोल पड़ी *"जो आप लेना चाहो।"* मैने कहा *"जो मैं बोलूँगा तुझे मेरी बात माननी पड़ेगी और जैसे-जैसे मैं कहूँ वैसे ही तुझे करना पड़ेगा। बोल तैयार है तो मैं अपना लंड दिखाऊँ।"* सोनिया तो एकदम उतावली हो रही थी। मैंने उसे अपने सामने खड़ा करा और अपने होंठ उसके होंठों पर रख दिये और अपने दोनों हाथ उसकी चड्डी में डाल कर उसके मस्त चूतड़ों को दबाने लगा। सोनिया ने भी अपना मुँह खोल दिया था और मैं बड़े आराम से उसकी जीभ चूसने लगा। थोड़ी देर बाद मैंने अपने हाथ उसकी चड्डी पर से हटाये और उसकी नाइटी खोल दी और उसको सिर्फ चड्डी पहने रहने दिया।

मैंने भी उसको छोड़ के अपने बदन पर चड्डी के अलावा सारे कपड़े उतार दिये। सोनिया को शराब के नशे में होश भी नहीं था कि मैं उसको नंगा कर चुका हूँ। बाद में मैंने उसकी चड्डी उतार दी और उसकी दरार पर अपना हाथ फेरने लगा। जैसे ही मैंने उसकी दरार पर हाथ फेरा तो सोनिया का थोड़ा सा नशा टूटा और वोह बोली *"क्या भैया आपने तो मुझे नंगा कर दिया पर अभी तक अपना लंड नहीं दिखाया। यह बात गलत है।"* मैंने जल्दी से अपनी चड्डी उतारी और अपना मोटा तगड़ा तंदुरूस्त लंड उसके हाथों में दे दिया। सोनिया को तो मानो लकवा मार गया। वोह बोली, *"भैया यह इतना सख्त बड़ा और मोटा कैसे हो गया।"*

तब मैंने सोनिया को बड़े प्यार से अपनी जाँघों पर बिठाया और उसकी पुश्त चूचियों को अपने हाथों में भर कर समझाया कि *"जब बूर यानि वैजाइना में लंड जाता है तो उसे चुदाई और चूदाने के बाद बूर को चूत कहते हैं और मर्द के लंड से जो जूस निकलता है उसी से बच्चा होता है। मर्द लोग को जब चूत नहीं मिलती और बहुत जोश में होते हैं तो वो अपने हाथ पर क्रीम लगा कर अपने लंड को कसकर पकड़ लेते हुए आगे-पीछे करते हैं, जिसे मुठ मारना कहते हैं। इस तरह औरते भी जब मस्ती में होती हैं तो वोह अपनी जाँघें चौड़ी करके अपनी उँगली पर थूक लगा कर अपनी चूत के दाने को खूब मसल-मसल के अपनी आग ठंडी करती हैं। कई औरतें अपनी चूत में गाजर, केला य बैंगन डाल कर अपनी प्यास बुझाती हैं।"* सोनिया बड़े आश्चर्य के साथ पूछी, *"भैया इतना बड़ा और मोटा इतने छोटे से छेद में कैसे जायेगा। पिंकी तो कह रही थी कि लंड सिर्फ़ पाँच-छे इन्च लम्बा होता है और करीब एक डेढ़ इन्च मोटा होता है।"* मैंने कहा, *"तू अभी यह मत सोच, समय आने पर तू बड़े प्यार से अपने अन्दर लेगी, और तरसेगी कि और मिल जाये। पर अभी तू वक्त मत खराब कर।*

अभी तू इसे लॉलीपॉप की तरह अपने मुँह में लेकर चूस और जब तक मेरा जूस नहीं निकल जाता, तू इसे चूसती रहना और मेरा पूरा जूस पी जाना और मेरे मुँह पर अपनी बूर रख दे। मैं भी तेरी कुँवारी बूर का पानी पीना चाहता हूं।"

सोनिया को मुँह में लेने में थोड़ी सी तक्लीफ हुई क्योंकी मेरा लंड मोटा था और अभी उसक मुँह छोटा था पर धीरे-धीरे सरकाने पर वोह बड़े आराम से अपना मुँह ऊपर नीचे करते हुए चूसने लगी। मैंने भी सोनिया के दोनों चूत्तड़ अपने हाथों में ले लिये और उनको मसलते हुए उसकी ताज़ी जवान खुशबूदार बूर पर अपने होंठ चिपका दिये और सोनिया की तरह मैं भी उसकी चूत तबियत से चूसने लगा। करीब आधा घँटा एक दूसरे की चूसाई के बाद मेरा लंड अपनी धर उसके ताजे मुँह में देने को तैयार था और इधर सोनिया का भी मस्ती के मारे बुरा हाल था। वोह अब आगे पीछे होते हुए मेरे मुँह पर अपनी बूर जोर से घिस रही थी। मैंने उसका सिर अपने हाथ ले जा कर लंड पर दबा दिया और पिचकारी छोड़ दी। सोनिया ने भी लंड बाहर नहीं निकाला और मेरा पूरा जूस पी गयी। मैंने भी अपनी जीभ की स्पीड और बूर की चूसाई तेज़ कर दी और तभी सोनिया ने अपने मुँह से मेरा लंड निकाला और जोर से आहा की किलकारी मारते हुए मेरे मुँह में अपना जूस निकाल दिया।

हम दोनों थोड़ी देर इस अवस्था में पढ़े रहे और फिर बाद में नंगे ही एक दूसरे की बाहों में सोफे पर बैठ गये और स्मोक करने लगे। मैंने बड़े प्यार से सोनिया का चेहरा उठा कर पूछा, *"कैसा लगा अपने भैया का लंड और चूसाई? मज़ा आया कि नहीं?"* वोह शरमाते हुए बोली, *"भैया आप बड़े बदमाश हो, पर सची में इतना आनंद तो मैंने आज तक महसूस ही नहीं किया। पिंकी और बाकी सहेलियाँ भी जब चूसती थीं और अपना बदन घिसती थीं तब भी इतना मज़ा नहीं आता था। भैया मैं तो अब रोज़ चूसूँगी और अपनी तुमको पीलाऊँगी।"* मैंने भी अंजान बनते हुए कहा, *"क्या सोनिया?"* तो वो बोली, *"धत्त भैया! आपका लंड और मेरी बूर।"*

सोनिया मेरे आगोश में लेट कर बड़े ही प्यार से मेरे लंड से खेल रही थी जो अब फिर से खड़ा हो गया था। सोनिया बोली, *"भैया आप मेरी बूर में नहीं डालोगे क्या? मेरी बहुत इच्छा हो रही है कि लेकर तो देखूँ कैसा लगता है। साली कुत्तिया पिंकी अपनी चूत के पपौटे दिखा-दिखा कर बहुत चिढ़ाती थी और कहती थी कि देखो चुदा कर मेरी चूत तुम सबसे सुंदर है। अब मैं भी उसे चिढ़ाऊँगी कि देख साली रन्डी तू तो सिर्फ पाँच-छे इन्च वाले से चूदाती है। मैं तो अपने भैया का साढ़े-आठ इन्च का लंड*

लेती हूं अपनी चूत में।"

Author: Sunil Jain

फिर बोली "भैया आपने किसी को चोदा है पहले।" तब मैंने उसे सच-सच बताना ठीक समझा और बोला, "सोनिया मैं मन ही मन में तुझे और तेरी मम्मी से बहुत प्यार करता हूं और रात को तुम्हारे ख्वाब देख कर मुठ मारा करता था" और फिर मैंने उसे पूरी कहानी बता दी। सोनिया बड़े आश्चर्य के साथ बोली, "क्या भैया तुम मम्मी को चोदते हो? मैं नहीं मानती।" तब मैंने कहा, "चल ठीक है, कल जब तेरी मम्मी घर पर आयेंगी और मुझे जब अंदर बुलायेंगी तब तू बालकोनी से देखना तेरी मम्मी कितने प्यार से मुझसे चुदवाती है। हमने तो प्लैन भी बनाया है कि तेरे साथ तेरी मम्मी मेरी सुहाग रात मनवायेगी।" सोनिया इतना सब सुन कर थोड़ी सी गरम हो गयी थी और अपनी चूत उसने मेरी टाँगों पर घिसनी चालू कर दी थी। मैंने कहा, "सोनिया मैं तुझे बड़े प्यार से सुहाग रात वाले दिन ही भोगना चाहता हूं। इस लिये आज सिर्फ एक दूसरे की चूसाई करेंगे" और इतना कह कर फिर से हम लोग ६९ के आसन में हो कर एक दूसरे को चूसने लगे। उस रात हम दोनों एक ही कमरे में एक दूसरे को बाहों में भर कर सोये। अगली सुबह मुझे मीना चाची को लेने जाना था तो मैं सोती हुइ नंगी सोनिया को प्यारि से पप्पी दे कर चला गया।

Devnagari Script By - SINSEX

कार में बैठते ही मीना चाची ने मुझे किस करा और बोली, "सुनील मैं तो बूरी तरह से मचल रही हूं चुदाई के लिये। सोनिया जब तक सो कर उठेगी तब तक तू मेरी जम कर चुदाई कर दे।" मैंने कहा "मीना डारलिंग! मैं भी तो तड़प रहा हूं तुम्हें चोदने के लिये और तुम अब सोनिया की चिंता छोड़ दो" और मैंने मीना चाची को सारी कहानी बता दी। मीना चाची ने आगे बढ़ कर मुझे किस कर लिया और बोली, "मैं तेरी सुहाग रात कल करवाऊँगी सोनिया के साथ। आज तो तू दिन भर सिर्फ मुझे चोद कस कर। मेरा तो पूरा बदन तरस रहा है तेरे हाथों से मसलवाने के लिये।"

हम जब घर पहूँचे तो सोनिया उठ गयी थी। थोड़ी देर इधर उधर की बातें करने के बाद मीना चाची बोलीं, "सोनिया देख मैं सुनील के साथ सोने जा रही हूं, तो कोई भी फोन या कोई घर पर आये तो उसे मना कर देना और मुझे डिस्टर्ब मत करना।" सोनिया मेरी तरफ देख कर मुस्कराई और समझ गयी कि उसकी मम्मी मेरे से कमरे में जा कर चुदवायेंगी। मीना चाची ने उसे देख लिया और बोली "मेरी प्यारी बेटी, मुझे सुनील ने सब बता दिया है। तू घबरा मत, तुझे मैं कल ज़िंदगी का वोह सुख दिलवाऊँगी जिसकी तूने कल्पना भी नहीं करी होगी।" इतना बोल कर मीना चाची ने मुझे अपनी बाहों में

ले लिया और मैंने उनको। फिर हम दोनों कमरे में घुस गये और घुसते ही एक दूसरे पर ऐसे टूट पड़े जैसे कितने दिनों के भूखे हों।

Author: Sunil Jain

मैं मीना चाची को अपनी बाहों में भर कर बूरी तरह से मसलते हुए चूस रहा था और मीना चाची मेरी पैंट खोल रही थी। मैंने देखा कि सोनिया बालकोनी में खड़ी हो कर हम दोनों को देख रही थी। इस ख्याल से कि सोनिया अपनी मम्मी को मुझ से चुदाते हुए देखेगी, लंड कुछ ज्यादा ही अकड़ गया और मैंने मीना चाची के कँधे दबा कर उन्हें वहीं बिस्तर पर बिठा दिया और सिर को पकड़ कर अपना लंड मीना चाची के मुँह में उतार दिया और सोनिया को देखते हुए मीना चाची का मुँह चोदने लगा और अपना पूरा लंड उनके मुँह में फँसा कर झड़ गया। फिर मैंने मीना चाची कि साड़ी, ब्लाऊज़, पेटीकोट उतारे, और सोनिया को दिखाते हुए उनकी चूचियाँ ब्रा के ऊपर से पहले खूब मसलीं और बाद में उनकी ब्रा उतार के उनके दोनों निप्पल अपनी उँगलियों के बीच में मसले। मीना चाची तो सितकार उठी और बोली, *"मादरचोद इतना क्यों भड़का रहा है मेरी चूत की आग? पहले से ही चूत में आग भड़की हुई है।"* मैंने मीना चाची को खड़े कर के उनके चूत्तड़ बालकोनी की तरफ कर दिये ताकि सोनिया आराम से देख सके।

Devnagari Script By : SINSEX

मीना चाची के हाई हील सैण्डलों में कसे पैर जमीन पर थे और मैंने उन्हें चूचियों के सहारे बिस्तर पर टिका दिया जिससे उनकी चूत और गाँड के छेद खुल कर समने आ गये। मैंने सोनिया की तरफ़ देखते हुए मीना चाची की चूत और गाँड के छेद पर उँगली फेरनी चालू कर दी और एक हाथ से अपना लंड सहलाने लगा। उसके बाद मैने झुक कर मीना चाची के सैण्डलों में कसे पैर चाटने लगा और फिर धीरे-धीरे उनकी टाँगों और जाँघों को चाटते हुए ऊपर बढ़ा और फिर उनकी उभरी हुई चूत को अपनी जीभ से चटना शुरू कर दिया जिससे मीना चाची की सितकारियाँ निकलनी चलू हो गयी और वोह अपनी गाँड के धक्के मेरे मुँह पर देने लगी। मीना चाची कि चूत अपने मुँह में झड़वाने के बाद मैंने खड़े-खड़े ही अपना लंड सोनिया को दिखाते हुए मीना चाची की चूत पर रखा और झुक कर उनकी मदमस्त लटकती हुइ चूचियों को पकड़ कर मसलते हुए जोर से धक्का मारा जिससे मेरा पूरा लंड मीना चाची की चूत में समा गया। मीना चाची इस पोज़ में अपने चूत्तड़ मटकाती हुइ मेरा लंड ले रही थी और मैं भी पूरे जोश में उनकी चूत चोद रहा था। थोड़ी देर बाद मैंने अपना लंड निकाल कर मीना चाची की टाँगें फैला कर बिस्तर पर लिटा दिया और उनके ऊपर चढ़ कर दना-दन चोदने लगा। करीब आधा घँटा चुदाई के बाद हम दोनों एक साथ झड़े और मीना चाची

ने अपनी जाँघें बंद करके मेरा लंड अपनी चूत में ही रहने दिया और बोली, *"डारलिंग ऐसे ही मेरे ऊपर सो जा ताकि जब तेरा दोबारा खड़ा हो तो बिना वक्त गंवाये मुझे चोदना चालू कर दियो। मेरी चूत को इतनी ठंडक मिली है कि मैं तो एक सिगरेट पी कर सोऊँगी।"* मैं तो मस्ती में था और मीना चाची कि गुदाज चूचियों पर लेट कर सुस्ताने लगा।

दिन भर हम दोनों ने जी भर के एक दूसरे के साथ सम्भोग करा और अपने बदन की हवस को पूरा शाँत करा। शाम को मीना चाची बिस्तर पर सिर्फ हाई हील वाली काली और चमचमाती सैण्डल पहने, नंगी पसरे हुए ड्रिंक पी रही थीं और मैं अपने होंठ और जीभ उनके सैण्डलों और पैरों पर फिरा रहा था। मुझे उनके सैण्डलों और पैरों की महक और टेस्ट बहुत अच्छा और उत्तेजक लग रहा था, जिसकी वजह से मेरा लौड़ा तन कर सीधा खड़ा था। मीना चाची बोली, *"डारलिंग अब और चूदाई नहीं करेंगे ताकि तेरा लंड कल सोनिया की चूत के लिये एकदम तैयार और बे-करार रहे। मैं चाहती हूँ कि जब उसे तेरा लंड मिले तो एक दम ताज़ा और मस्त मिले। कल दिन में सोनिया के साथ अपनी सुहाग रात मना लियो।"* मैंने उनकी सैण्डल चाटते हुए कहा *"मीना चाची उसको मेरे लिये एकदम तैयार कर देना और उसकी सुहाग रात मैं उसकी मॉडर्न ड्रैस में मनाऊँगा।"* मीना चाची बोली, *"तू चिंता मत कर! मैं उसे कल सुबह बाज़ार से सैक्सी कलि ब्र-चड्डी, मॉडर्न ड्रैस और सैक्सी हाई हील सैण्डल दिला कर लाऊँगी जिसे देख कर तेरा लंड और तन जाये। मैं उसे बिलकुल मॉडर्न तरह से तैयार करूँगी और ध्यान रहे कल १२ - १ बजे तक तू घर पर मत रहना। मैं अपनी बेटी को बड़े प्यार से तैयार करन चाहती हूं ताकि उसे अपनी पहली चूदाई हमेशा याद रहे।"* मैंने कहा, "पर अभी मेरे इस तने हुए लंड का क्या करूँ?" मीना चाची बोलीं, *"तुझे मेरे सैण्डल पहने हुए पैर बहुत सैक्सी लगते हैं ना! तो तू अभी अपना लंड इन्हीं पर घिस कर क्यों नहीं ठंडा कर लेता। सच, तुझे मेरे हाई हील सैंडल पहने पैरों को चोदने में जरूर मज़ा आयेगा।"* मीना चाची का यह आईडिया सुन कर मेरा लंड और भी अकड़ गया। मैंने झट से उनके सैंडल पहने पैरों को अपने दोनों हाथों में लिया और अपना लंड दोनों सैंडलों के बीच में आगे-पीछे करने लगा। सैंडल के तलुवों और लैदर का फील बहुत मस्त लग रहा था और चार-पाँच मिनट में ही मेरी पिचकारी मीना चाची के सैण्डल, पैरों और टखनों पर छूट गयी।

उसके बाद मीना चाची को नंगा बिस्तर पर छोड़ के बाहर आ गया और सीधा सोनिया के कमरे में गया। सोनिया सिगरेट पीते हुए पूरी नंगी हो कर अपनी बूर के दाने को

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By: SINSEX

घिस रही थी और मस्ती में अपने चूत्तड़ ऊपर नीचे उछाल रही थी। मुझे आया देख कर शरमा गयी और बोली "भैया ये क्या आप बिना नॉक करे ही आगये।" मैंने प्यार से उसका किस लिया और बोला, "मेरी प्यारी बहन! बस आज-आज मुठ मार ले, कल के बाद तो तेरी जब भी इच्छा होगी, मैं तुझे खूब चोदूँगा। बता तुझे कैसा लगा अपनी मम्मी की चूदाई देख कर।" सोनिया बोली, "भैया, मम्मी बहुत ही सैक्सी दिखती है नंगी हो कर। मैंने तो मम्मी के साथ आपको नंगा देख कर ही अपनी जाँघें कस ली थीं और जब आप मम्मी के चूतड़ फैला कर उनकी चूत चाट रहे थे, मैंने अपना एक हाथ अपनी पैंटी में डाल कर अपने दाने को खुब घिसा था। भैया बताओ ना! मम्मी मेरी तुम्हारे साथ सुहाग रात कब करवायेंगी।" मैं बोला, "बस मेरी डारलिंग! कल के लिये तू तैयार हो जा। कल तुझे कच्ची कली से पूरा फूल बना दूँगा। फ़िलहाल अभी थोड़ा मेरे लंड को चूसते हुए अपनी मुठ मार। देख कितना मज़ा आयेगा।" सोनिया ने लपक के मेरा लौड़ा मुँह में ले लिया और अपनी बूर घिसते हुए सका-सक मेरा लौड़ा चूसने लगी और पँद्रह-बीस मिनट बाद तबियत से चूसते हुए अपनी बूर का और मेरे लंड का पानी निकाल। मैंने भी झुक के उसकी बूर का पानी अपनी जीभ से चाट-चाट कर पीया।

मीना चाची नहा-धो कर सिर्फ़ चड्डी-ब्रा और सैण्डलों में ही अपने रूम से निकली और अपने मोटे-मोटे चूत्तड़ मेरी गोदी में रख कर बैठ गयी और हम तीनों ने एक साथ ड्रिंक करी और स्मोक करा। मीना चाची उसके बाद उठीं और सोफ़े पर बैठ कर सोनिया को अपनी गोद में बिठाया और बोली, "मेरी प्यारी बेटी तू तैयार है ना औरत बनने के लिये।" सोनिया ने शरमा कर अपना मुँह मीना चाची की ब्रा में कैद उन्नत चूचियों में छुपा लिया। मीना चाची ने उसका सिर उठा कर कहा, "बेटी तू बड़ी किस्मत वाली है जो तुझे घर बैठे इतना तगड़ा मर्द और मस्त लंड मिलेगा। मैं नहीं चाहती कि तू भी मेरी तरह चुदाई के लिये तड़पे। तेरे पापा मुझे एक दम ठंडा नहीं कर पाते हैं, जिससे मेरा दिमाग खराब रहता था। पर अब मुझे सुनील का लंड मिल गया है जो मुझे पोर-पोर तक चुदाई का सुख देता है। मेरी इच्छा यही है बेटी कि तू भी भरपूर चुदाई का मज़ा लेले शादी से पहले। पता नहीं शादी के बाद ये सुख तुझे मिले ना मिले।"

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By: SINSEX

उसके बाद हमने खाना खाया और अपने-अपने कमरे में चले गये। अगले दिन मैं सुबह नहा-धो कर बाज़ार चला गया, ऐसे ही घूमने के लिये और करीब साढ़े बारह बजे वापस आया। मीना चाची ने मुझे पहले तो बाहों में लेकर किस करा और बोली, *"तेरी रानी अंदर बैठी है सज-सँवर के। जा पहले तू नहा-धो ले और फ्रैश हो जा। अब कल सुबह तक तुझे उसकी जम कर चुदाई करनी है। मैं सब कुछ रूम में ही पहूँचा दूँगी।"* मैं भी बे-सब्री के साथ नहा-धो कर तैयार हुआ और सिर्फ़ अपनी सबसे सैक्सी दिखने वाली चड्डी पहनी और मीना चाची का चुम्बन लेकर कमरे में घुस गया।

मज़ा आ गया था। अंदर मीना चाची ने पूरा डिस्को बनाया हुआ था और सोनिया को बहुत ही सैक्सी टॉप-स्कर्ट में तैयार करा हुआ था। सोनिया की टॉप के उपर के चार बटन खोल कर नीचे से गाँठ बन्धी हुई थी और गज़ब का मेक-अप करा हुआ था। सोनिया भी हाई हील्स पहन कर एक डाँस पर अपने चूत्तड़ थिरकाते हुए नाच रही थी। मैंने चुप-चाप पीछे से जा कर उसकी मचलती हुई चूचियों को पकड़ लिया और सोनिया को हवा में घूमा दिया। फिर सीधा कर के हमने एक दूसरे को बाहों में कस लिया और तड़ातड़ एक दूसरे को चूमने और चाटने लगे। मीना चाची ने सही कहा था। वाकय में सोनिया बहुत ही सैक्सी लग रही थी और अगर वोह ऐसे रूप में कहीं सड़क पर चली जाती तो जरूर उसकी बूर का आज भोसड़ा बन जाता।

सोनिया ने झूक कर ड्रिंक बनाना चालू करा तो मैंने भी पीछे से उसकी स्कर्ट नीचे खिस्का दी और झूक कर कुत्ते कि तरह उसके चूत्तड़ों में अपना मुँह लगा दिया और चाटने लगा। मीना चाची ने सोनिया को काले रंग की बहुत ही टाईट नेट की रेशमी चड्डी पहनायी थी जिससे वोह उसकी गाँड की दरार में घुस गयी थी और उसके गोरे फूले हुए छोटे-छोटे मस्त चूत्तड़ों को और मादक बना रही थी। क्या महक आ रही थी उसके पिछवाड़े से। मैं तो मस्ती के आलम में आ गया था। सोनिया ने मुझे एक ड्रिंक दी और अपने वास्ते एक सिगरेट जलाई और मेरी गर्दन में अपनी बाहें डाल कर बोली, *"सुनील भैया आज जी भर के अपनी चचेरी बहन को चोद लो"*, और मुझे बिस्तर पर बिठाकर मेरी चड्डी में तन्नाए हुए लंड पर अपने चूत्तड़ घिसते हुए बैठ कर ड्रिंक और स्मोक करने लगी।

मैंने उसकी टॉप के बटन और बंधी हुई गाँठ को खोला और उसकी स्टॉप उतार दी। मीना चाची ने सोनिया को क्या मस्त काले रंग की रेशमी ब्रा पहनायी थी। एकदम पतले स्ट्रैप थे और ब्रा के कप सिर्फ़ उसके आधे निप्पल और नीचे की गोलाइयाँ छुपाये हुए

थे। रेशमी नेट के अंदर से उसकी दूधिया चूचियों कि बड़ी साफ झलक मिल रही थी। मैंने उसे खड़ा होने को कहा और कुर्सी पर टाँगें फैला कर बैठ गया और सोनिया को बोला कि वोह अपनी टाँगें मेरी टाँगों के दोनों तरफ करके अपनी चड्डी में कसी हुई बूर मेरे लंड पर रखे और आराम से बैठ कर ड्रिंक करे। तब तक मैं उसकी कसी हुई मस्त जवानी जम कर चूसना और दबाना चाहता था। सोनिया बड़े ही कायदे से मेरे लंड के उठान पर बैठ गयी और बहुत हल्के-हल्के ढँग से अपनी चड्डी मेरे लंड से उठी हुइ मेरी चड्डी पर घिसते हुए मेरी गर्दन में बाहें डाल कर ड्रिंक और स्मोक करते हुए बोली, *"भैया डारलिंग मसल डालो मेरी इन जवानियों को। देखो तो सही कैसे तन कर खड़ी है तुमसे चुसाने के लिये। मेरे मस्ताने सेबों का मज़ा ले लो मेरी जान।"* मैं भी अपने हाथ उसकी पीठ पर ले गया और उसकी ब्रा के हूक खोल दिये और बड़े प्यार से उसकी जवनी नंगी करी। उसकी ३२ साइज़ की कसी हुई मस्तियाँ मेरे सामने तन कर खड़ी हुई थीं और मैंने भी बिना वक्त गँवाये दोनों चूचियों पर अपना मुँह मारना शूरू कर दिया।

मैं बहुत ही बे-सब्रा हो कर उसकी चूचियाँ मसल और चूस रहा था जिससे उसको थोड़ा सा दर्द हो रहा था। पर फिर भी मेरे सिर को अपनी चूचियों पर दबाते हुए कह रही थी, *"डारलिंग आराम से मज़ा लो, इतने उतावले क्यों हो रहे हो। आज तो मेरी सुहाग रात है। कहीं भागी थोड़ी जा रही हूं। जम के चूसवाऊँगी और मसलवाऊँगी। इनको इतना मसलो कि क्लास में मेरी चूचियाँ सबसे बड़ी हो जायें।"* करीब आधा घँटा इस चूसाई के बाद मैंने कहा, *"सोनिया डारलिंग अब तो तू तैयार हो जा औरत बनने के लिये।"*

मैंने उसे अपनी बाहों में उठाया और फूलों से सजे पलंग पर लिटा दिया। लाल गुलाब से सजे पलंग पर काले रंग की चड्डी से ढका सोनिया का गोरा बदन ऐसा लग रहा था जैसे कोई अपसरा अपने कपड़े उतार के सो रही हो और काला भँवरा उसकी ताज़ी बूर का रस चूस रहा हो। मैं करीब पाँच मिनट तक सोनिया के नंगे बदन की शराब अपनी आँखों से पीता रहा, और फिर बिस्तर पर चड़ कर मैंने सोनिया की कमर चूसनी चालू करी और चूसते हुए अपना मुँह उसकी चड्डी पर लाया और चड्डी का इलास्टिक अपने दाँतों में दबा कर अपने मुँह से उसकी चड्डी उतारने लगा। सोनिया ने भी अपने चूत्तड़ हवा में उठा दिये थे ताकि चड्डी उतारने में परेशानी ना हो। पर मीना चाची ने इतनी टाइट चड्डी पहनाई थी कि मुझे अपने हाथ भी लगाने हे पड़े उतारने में।

दोस्तों! चड्डी उतार के जो नज़ारा मेरे सामने था, मैं आपको बता नहीं सकता। मीना चाची ने बड़े ही प्यार से सोनिया की बूर के बाल साफ़ करे थे। बूर चुदने के लिये इतनी बेकरार थी कि बूर के लिप्स गीले थे। सोनिया बोली, *"डारलिंग मम्मी ने मेरी बूर क्रीम से साफ करी है और मुझे बोला है कि मैं कभी भी अपनी बूर शेव नहीं करूँ नहीं तो खराब हो जायेगी।"* मेरा लंड तो सोनिया की चिकनी नंगी मस्ताई हुई, चुदने के लिये तैयार बूर को देख कर ही मेरी चड्डी को फाड़ कर बाहर आने के लिये बेकरार था और उछल-कूद मचा रहा था।

मैंने अपने दोनों हाथों से अपनी चड्डी उतार दी और अपना मुँह मेरे सामने लेटी हुई नशे की बोतल के खज़ाने के मुँह पर लगा दिया। सोनिया तो मस्त हो गयी और मेरा सिर पकड़ कर अपनी बूर पर दबाने लगी। मैं भी चाहता था कि सोनिया थोड़ा पानी छोद दे ताकि उसकी ताज़ी कुँवारी बूर थोड़ी चिकनी हो जाये और तकलीफ कम हो। मैंने उसकी बूर का दाना चूसते हुए अपनी जीभ से उसकी चुदाई चालू कर दी और करीब पाँच मिनट बाद ही सोनिया ने मेरा सिर अपने दोनों हाथों से पकड़ लिया और कस कर अपनी पूरी ताकत से मेरा मुँह अपनी बूर पर दबा लिया और जोश में काँपते हुए चूत्तड़ों के धक्के देती हुई मेरे मुँह में अपना रस देने लगी। मैंने भी मन से उसकी जवान बूर चूसी और चूत के लाल होंठों को अपने होंठों से चूसा।

फिर मैं घूटने के बल सोनिया के समने बैठ गया और अपना बूरी तरह अकड़ा हुआ लंड उसके सामने कर दिय और सोनिया की गर्दन में हाथ डाल कर उसका मुँह अपने लंड के पास लाय और बोला, *"मेरी प्यारी सोनिया, अपने राजा को मुँह में रख कर अपनी बूर बजाने के लिये तो इनवाइट करो।"* सोनिया ने टपाक से अपना मुँह खोला और मेरा सुपाड़ा अपने होंठों के बीच ले लिया और जीभ फेरने लगी। मेरे लंड पर सोनिया के जीभ फेरने ने वोह काम करा जो आग में घी करता है। मुझसे रहा नहीं गया और दोनों हाथों से सोनिया का सर पकड़ कर उसके मुँह में ही मैंने आठ-दस शॉट लगा दिये। लौड़े का तो मारे गुस्से के बूरा हाल था। एक तो उसे कल से चूत नहीं मिली थी और दूसरा उसके सामने ऐसी मलाई दार चूत थी और मैं चूतिया की तरह उसकी भूख मिटाने की बजाये चुम्मा चाटी कर रहा था। अपना लंड सोनिया के मुँह से बाहर कर के मैं बिस्तर पर से उतरा और मीना चाची ने पहले से ही इम्पोर्टेड बड़ी ही खुशबू वाली चिकनाहट की क्रीम मेज पर रखी हुई थी।

मैंने उसे उठा कर थोड़ी ज्यादा ले कर सोनिया की बूर पर और बूर के अंदर की दीवारों

पर लगा दी और फिर अपने लंड पर लगाने लगा। सोनिया बोली, *"ये आप क्या कर रहे हो?"* मैंने उसे समझाया और बोला, *"आज मैं तेरी बूर को चूत बनाने जा रहा हूँ तो मुझे अपना लंड तेरी बूर में घूसेड़ना पड़ेगा और तुझे तकलीफ ना हो इस लिये मैं तेरी बूर को और अपने लंड को चिक्ना कर रहा हूँ।"* सोनिया थोड़ी देर के लिये सकते में आ गयी और बोली, *"भैया तुम्हारा लंड तो इतना मोटा हो रहा है और मेरी बूर तो बहुत छोटी है, फिर तुम कैसे अंदर डालोगे।"* मैंने कहा, *"सोनिया अबसे तू मुझे मेरे नाम से बुलायेगी।"*

मैंने बिस्तर पर चड़ कर सोनिया की जाँघों को अपने हाथों से पूरा फैल दिया और एक हाथ से लंड पकड़ कर दूसरे हाथ से सोनिया की बूर के लिप्स खोल कर अपना गुस्साया हुआ लाल सुपड़ा उसकी गुलाबी चूत से सटा दिया और बहुत हल्के–हल्के घिसते हुए बोला, *"देख ले सोनिया अपने लंड की तेरी चूत से मुलाकात करा रहा हूं।"* सोनिया को भी अपनी चूत पर लंड घिसाई बहुत अच्छी लग रही थी। वोह सिर्फ़ मस्ती में ऊँमम ऊँमम कर सकी। एक दो मिनट बाद मैंने देखा कि सोनिया पर मस्ती पूरी तरह से सवार हो चूकी है तो मैंने अपने लंड का एक हल्का सा शॉट दिया जिससे मेरा लंड सोनिया की बूर बहुत ज्यादा कसी होने के कारण से फिसल कर बाहर आ गया। इससे पहले कि सोनिया कुछ समझ पाती, मैंने एक हाथ से अपना लंड सोनिया के बूर के लिप्स खोल के उसके छेद पर रखा और अपने चूत्तड़ों से कस के धक्का दिया जिससे मेरा मोटा तगड़ा लंड २ इन्च सोनिया की चूत में घुस गया।

सोनिया की गाँड में तो जैसे भूचाल आ गया। वोह जोर से चीखी, *"सुनील मार डाला! ये क्या डाला है मेरे अंदर। बहुत दर्द हो रहा है। सुनील प्लीज़ बाहर निकाल लो।"* मैंने कुछ परवाह ना करते हुए दूसरा शॉट और कस के लगाया और अब मेरा पाँच इन्च लंड सोनिया की चूत में समा चूका था। ऐसा लग रहा था जैसे किसी बोत्तल के छोटे छेद में अपना लंड घुसा दिया हो और बोत्तल के मुँह ने कस कर मेरे लंड को पकड़ लिया हो। अगर मैंने सोनिया की कमर कस के पकड़ नहीं रखी होती तो सोनिया मेरा लंड निकाल के बाहर भाग जाती और ज़िंदगी भर कभी भी किसी से चुदवाती नहीं। सोनिया अब मेरे सीने पर मुक्के मारने लगी तो मैंने उसके दोनों हाथ पकड़ कर फैल दिये और अपने पूरे शरीर का भार देते हुए उसके ऊपर लेट कर अपना पाँच इन्च लंड अंदर–बाहर करने लगा। करीब पाँच–दस मिनट तक सिर्फ पाँच इन्च से ही संतोष करने के बाद मैंने सोनिया से पूछा, *"डारलिंग अब कैसा लग रहा है?"* तो बड़ी रुआँसी बोली, *"जब तुमने घुसेड़ा था उस समय तो मेरी जान ही निकल गयी थी पर*

Author Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

अब तुम्हारी लंड घिसाई से थोड़ी राहत मिली है और अच्छा भी लग रहा है।" मैंने मौका अच्छा देख और अपने होंठ उसके होंठों पर रख और उसे पूरा दबोच कर एक ज़ोरदार कड़कड़ाता हुआ शॉट दिया जिससे मेरा पूरा साड़े आठ इन्च लौड़ा सोनिया की चूत में समा गया। मेरे होंठ उसके होंठों पर रखे हुए थे इस कारण वोह ज्यादा जोर से नहीं चीख पायी, और जो मेरा पूरा लंड उसकी चूत में समा गया था उसका सोनिया को दर्द इतना हो रहा था कि आप खुद ही अन्दाज़ा लगा सकते हैं कि अगले पाँच मिनट तक मैं तो शाँत अपना लंड उसकी चूत में डाल कर उसके रसीले होंठ चूसत रहा और सोनिया नीचे से दर्द के मारे लगातार अपने चूत्तड़ उछालती रही।

जब पाँच मिनट बाद उसने अपने चूत्तड़ उछालना बँद करा तब मैंने अपने लंड को धीरे धीरे उसकी चूत में सरकाना चालू करा। सोनिया अभी भी अपना बदन दर्द के मारे कस–मसा रही थी पर पूरी मेरे नीचे दबी होने के कारण कुछ कर नहीं पा रही थी और पँद्रह–बीस धक्के अपनी चूत में ले लेने के बाद उसका दर्द भी कम हो गया था और उसका कसमसाना भी। मैंने सोनिया के होंठों के ऊपर से अपने होंठ हटा लिये और बोला, *"क्यों मेरी प्यारी सोनिया! अब बता कैसा महसूस हुआ जब मैंने अपना मस्त लौड़ा तेरी बूर में डाल कर उसे हमेशा के लिये चूत बना दिया, और अब कैसा लग रहा है दर्द खतम होने पर।"* सोनिया बोली *"क्या डारलिंग तुमने तो मेरी जान ही निकल दी। जब तुमने अपना लंड मेरी चूत में पेला था उस समय तो मुझे ऐसा लगा था कि शायद आज तुम मुझे मेरी चूत से लेकर दो हिस्सों में फ़ाड़ के रख दोगे। बहुत दर्द हुआ था सुनील पर तुमने इतने प्यार से मुझे सम्भाला और बाद में जो प्यार से मेरी चूत बजा रहे हो तो ऐसा लग रहा है कि मैं ज़न्नत में हूँ।"*

"मेरे बदन से ऐसी मस्ती छूट रही है कि क्या बताऊँ। सुनील आब बहुत मज़ा आ रहा है। अब तुम जी भर के मुझे चोदो।" मैंने सोनिया की दोनों जाँघें चौड़ी कर दीं और अपने हाथों से उसकी सैण्डल की हीलस पकड़ लीं और खुद घूटने के बल बैठ कर अपनी गाँड के दना–दन धक्के मारने लगा। सोनिया को अब भी तकलीफ हो रही थी पर वोह भी अब चुदाई में पूरा साथ दे रही थी। पहली चुदाई के कारण वोह और ज्यादा मस्ती सहन नहीं कर पायी और सितकारी भरती हुए अपनी चूत का पानी मेरे लंड पर गिराने लगी और बड़बड़ा रही थी, *"आह आँह सुनील मज़ा आ गया। मुझे क्या मालूम था इतनी तकलीफ के बाद इतना सुख मिलेगा। इस सुख के लिये तो मैं अपनी चूत बार–बार तुमसे फ़ड़वाऊँगी।"* मैंने भी लगातार आठ–दस शॉट लगाये और बल–बला कर उसकी चूत में जड़ तक अपना लंड उतार के झड़ गया। मैं सोनिया की कोरी बूर

Author: Sunil Jain

को चूत बना कर मस्त हो गया था और आराम से उसके ऊपर लेट कर उसके होंठों को चूस रहा था।

थोड़ी देर बाद मैं उसके ऊपर से हटा और और उसका मुँह पकड़ कर अपने लंड पर लगा दिया और कहा *"बहन की लौड़ी जब तक मैं न कहूँ मेरा लंड चूसती रहना नहीं तो गाँड़ मार मार के लाल कर दूँगा"*, और आराम से सिगरेट सुलगाकर अपनी पीठ टिका कर पीने लगा। सोनिया ने भी पूरी हिम्मत दिखायी और बिना वक्त बर्बाद करे मेरा लंड चूसना चालू कर दिया। करीब दस- पँद्रह मिनट की लगातार चूसाई से मेरा लंड फ़िर से तन्ना गया, पर मैंने अपने आप पर पूरा कंट्रोल रख कर सोनिया के मुँह में अपना लंड तबियत से चूसाता रहा।

दस मिनट बाद मैंने सोनिया को बोला, *"चल आज तुझे घोड़े की सवारी करना भी सिखा दूँ। मेरी प्यारी सोनिया, करेगी ना मेरे लंड पर घोड़े की सवारी?"* सोनिया ने बड़े आश्चर्य से पूछा, *"सुनील कैसे घोड़े की सवारी? लंड के ऊपर कैसे होती है।"* तब मैंने समझाया कि *"तू मेरे लौड़े पर बैठ और अपने हाथ से पकड़ कर मेरा लंड अपनी चूत में अंदर ले, और फिर बाद में अपने चूत्तड़ ऊपर-नीचे उछाल-उछाल कर लंड को अपनी चूत में सरका पर ध्यान रहे लंड बाहर नहीं निकलना चाहिए।"* सोनिया मेरे लंड के दोनों तरफ़ पैर करके खड़ी हो गयी और धीरे-धीरे नीचे बैठने लगी और एक हाथ से मेरा तन्नाया हुआ लंड पकड़ा और एक हाथ की उंगलियों से अपनी चूत के लिप्स खोले। जब मेरा लंड उसकी चूत से टकराया तो थोड़ा सा वोह घबरायी पर मैंने उसकी घबराहट देख कर उसके चूत्तड़ कमर के पास से कस कर पकड़ लिये और इससे पहले वोह कुछ समझ पाती मैंने अपने चूत्तड़ एक झटके से नीचे से उछाले और पूरा लंड गप से उसकी चूत में उतार दिया।

सोनिया बहुत छटपटाई पर मैंने भी उसकी कमर कस कर पकड़ी हुई थी। दो तीन मिनट बाद जब उसक दर्द कम हुआ तो मैंने उसको अपने ऊपर झुका लिया और बोला, *"सोनिया अब तू अपने चूत्तड़ उछाल-उछाल कर ऊपर नीचे कर और लंड सवारी का मज़ा ले।"* इतना कह कर मैंने उसका सिर दबा कर उसके होंठ अपने होंठों में ले लिये और चूसते हुए अपने दोनो हाथों से उसके पीछे से फैले हुए चूत्तड़ पकड़ लिये और मसलने लगा। सोनिया की हिम्मत मुझे माननी पड़ी कि दर्द होने के बावजूद भी बड़े प्यार से उछलते हुए मुझे चोद रही थी, और दूसरी बार करीब आधे घंटे तक हमने इसी पोज़ में चूदाई करी और मैंने अपने लंड का फाऊँटेन उसकी चूत में गिरा

दिया और सोनिया को दबोच कर अपने ऊपर ही लिटा कर रखा और लगातार दो बार चुदाई करने के कारण हम थोड़ा सुस्ताने लगे।

करीब एक घण्टे बाद मेरी जब आँख खूली तो देखा सोनिया सिगरेट पीते हुए मेरे लंड से खेल और चूस रही थी। जब मुझे उसने अपनी और घूरते पाया तो थोड़ा शरमा उठी। मैंने भी कहा, *"सोनिया चूस मेरी जान मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।"* इस समय मेरा गन्ना पूरी तरह से तन्नाया हुआ था। मुझे एक शरारत सूझी और मैंने सोनिया से कहा, *"सोनिया तुझे ये तो मानना पड़ेगा कि तुझे और आगे भी हर रात मैं जब तुझे चोद कर ये सुख दूँगा, तेरी माँ के कारण मिला है।"* सोनिया तपाक से बोली, *"और क्या, मैं तो अब जी भर के हर रात तुमसे चूदूँगी और अगर मम्मी नहीं मानतीं तो पता नहीं मेरी चूत काब खूलती।"* मैंने कहा, *"फिर तो सोनिया ये गलत बात है कि हम दोनों अंदर इतना मज़ा ले रहे हैं और तेरी मम्मी बाहर अपनी चूत अपनी उँगली से ठंडी कर रही है। मेरी बड़ी इच्छा है कि तुम माँ बेटी को मैं एक ही पलंग पर एक साथ नंगा करके चोदूँ।"* सोनिया फ़ोरन ही तैयार हो गयी और बोली, *"मैं अभी जा कर मम्मी को बुला कर लाती हूं।"* मैंने कहा, *"नहीं! तू बैठ कर एक ड्रिंक और सिगरेट पी। मैं तेरी मम्मी को लाता हूँ।*

मैं नंगा ही बाहर गया तो देखा कि मीना चाची अपना ब्लाऊज़ उतार कर ब्रा और पेटीकोट में लेटी हुई थी और अपना पेटीकोट कमर तक उठा कर स्मोक करते हुए अपने वाइब्रेटर से मुठ मार रही थीं। मुझे देख कर बोली, *"क्या बात है सुनील! सोनिया ठीक तो है ना?"* मैंने कहा, *"डारलिंग घबराओ नहीं, मेरा लंड ले कर एक दम मस्त चूत हो गयी है साली की। अभी तक दो बार लंड का पानी पी चूकी है, और तीसरी बार चुदाने को मचल रही है। चुदाने के मामले में एक दम तुम्हारी बेटी है। साली की बहुत गरम चूत है। इसको अगर दम-दार मर्द नहीं मिला तो ये तो मर्दों से खूब चुदवायेगी। तुम्हारी तरह वाइब्रेटर से ठंडी नहीं होगी।"*

मीना चाची बोली, *"क्या बात है तू बाहर कैसे आ गया?"* मैंने कहा, *"मीना मेरी बड़ी इच्छा है कि तुम्हारी बेटी के सामने तुम्हें भोगूँ और तुम्हारी चूत बजाऊँ।"* मीना चाची बोली, *"धत! दूर हट! मुझे अपनी बेटी के सामने चुदाने में शरम आती है।"* सोनिया जो शायद दरवाजे पर खड़ी हो कर हमारी बातें सुन रही थी, सिर्फ़ सैण्डल पहने नंगी ही एक दम बाहर आ गयी और बोली, *"आज से तुम मेरी सबसे बेस्ट फ़्रैंड हो और चुदवाने में क्या शरमाना। मैं भी तो देखूँ कि चुदाई का असली मज़ा कैसे लिया जाता*

Author: Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

है।” मीना चाची उठ कर खड़ी हुईं तो गिरते-गिरते बचीं। उन्होंने काफ़ी ड्रिंक कर रखी थी और नशे और हाई पेन्सिल हील की सैण्डलों की वजह से उनका बैलेंस बिगड़ गया पर सोनिया ने उनको अपनी बाहों में भर लिया। मैंने भी पीछे से जा कर मीना चाची की दोनों चूचियों को अपने हाथों से दबा लिया और मीना चची को बीच में दबाये हुए बेडरूम में ले कर आ गये क्योंकि वो नशे में अपने आप चलने की सूरत में नहीं थीं। मैंने सोनिया को कहा, चल अपनी मम्मी का पेटीकोट उतार और अपनी मम्मी की चूत नंगी कर के मुझे दिखा। मैंने मीना चाची की ब्रा खोल कर उनकी चूचियाँ नंगी कर दीं।

सोनिया ने भी मीना चाची के सारे कपड़े उतार दिये और बोली, *“लो सुनील अबकी बार मेरी मम्मी की चूत की सिकाई करो।”* क्या नज़ार था दोस्तों! अब दोनों माँ बेटी एक साथ बिल्कूल नंगी, सिर्फ़ हाई हील सैण्डलों में, मेरे सामने थीं। मैंने भी नंगी मीना चाची को अपनी बाहों में ले लिया और किस करने के बाद बोला, *“मीना डारलिंग! आज तुम्हारी बेटी की चूत खोली है तो आज मैं तुम्हारी भी सुहाग-रात मनाऊँगा और जैसे तुमने उस दिन कहा था कि कोरी चूत तो नहीं दे सकी पर अपनी कोरी गाँड मरवाऊँगी, तो रानी तुम्हारी बेटी मेरा लंड चूस कर मोटा करेगी और आज मैं तुम्हारी गाँड का उदघाटन करूँगा। अपनी गाँड मरवाओगी ना मीना डारलिंग।”* मीना चाची नशे के कारण बहकी हुई आवाज़ में बोलीं, *“मेरे गाँडू राजा! मैं तुझे अपना सब कुछ सोंप चुकी हूं। साले (हुच्च) तू... तूने... मेरी चूत मारी... मेरे मुँह, गले में मादरचोद अपना लंड चोदा और मेरी चूचियों के बीच में भी लंड घिस के चोदा और.... और... यहाँ तक की साले चूतिये तुने मेरे सैण्डलों और पैरों को भी नहीं छोड़ा.... बोल साले भोसड़ी के... (हुच्च) तुझे कभी मैंने ना कहा क्या... हैं? तो इसके बाद क्या पूछता है... जैसे तू मुझे चोदना चाहता है वैसे चोद, अब गाँड मारनी है... तो साले गाँड मार ले, पर मेरी गाँड जरा प्यार से मारियो, मैंने आज तक (हुच्च) तेरे चाचा को उँगली तक नहीं लगाने दी।”*

मैंने कहा, “डारलिंग तुम बस आराम से एक और ड्रिंक लगा कर कुत्तिया बन कर अपनी गाँड हव में उठाओ, मैं अपना लंड सोनिया से तबियत से चुसवाकर तुम्हारी मस्त गाँड के लिये तैयार करता हूँ।” मीना चाची ने ड्रिंक बनाने की बजाये व्हिस्की की बोत्तल ही मुँह से लगा कर पीने लगी। मुझे पहले तो चिंता हुई कि कहीं इतना पीने से बिल्कुल ही पस्त हो कर सो ना हो जायें और मेरा सब प्लैन चोपट हो जाये पर फिर ख्याल आया कि चाची पीने की आदी हैं। वैसे तो आम-तौर से वो लिमिट में ही पीती

हैं पर पहले भी मैंने उन्हें ज्यादा पी कर नशे में धुत्त देख है और जब भी मीना चाची नशे में कंट्रोल के बहार हुई हैं तब वोह पस्त या शाँत होने की बजाये हमेशा काफ़ी बेकाबू और ज्यादा उत्तेजित ही हुई हैं। यही सोच कर मैंने सोनिया को बुला कर अपने सामने घुटने बर बैठा कर लंड चूसने के लिये बोला और कहा, *"ले सोनिया चूस के तैयार कर अपनी मम्मी के लिये। देख आज तेरी मम्मी कैसे नशे में धुत्त होकर मेरा लंड अपनी गाँड में लेगी। मीना! देख तेरी बेटी क्या तबियत से मेरा लंड चूसे के मोटा कर रही है तुम्हारी गाँड के लिये। ये तो आज अपनी मम्मी की गाँड फ़डवाकर ही मानेगी। देख तो सही साली एक दिन में ही क्या रंडी की तरह चूसने लग गयी है।"* मैं सोनिया का मुँह पकड़ कर हलके–हलके शॉट लगाने लगा। इतनी देर में मीना चाची भी एक हाथ में बोत्तल पकड़ कर पलंग पर जैसे मैंने कहा था वैसे ही कुत्तिया बन गयी। मैने सोनिया के मुँह से अपना लंड निकाला और बोला, *"सोनिया चल ज़रा अपनी मम्मी कि गाँड के छेद को तैयार कर मेरे लंड के लिये, अच्छे से क्रीम लगा ताकि तेरी मम्मी को ज्यादा तक्लीफ़ न हो।"*

सोनिया ने अपने हाथ में खूब सारी क्रीम भरी और मीना चाची की गाँड के छेद पर लगाने लगी और बोली, *"सुनील! मम्मी की गाँड का छेद तो बहुत टाईट है। मेरी उँगली भी बड़ी मुशकिल से अंदर जा रही है।"* मैंने कहा, *"आराम से खूब क्रीम मल। थोड़ी देर बाद जब गाँड का छेद रीलैक्स हो जायेगा तब बड़े आराम से मेरा लंड अंदर जायेगा"* और मैं स्मोक करने लग गया। दोस्तों क्या सीन था कि एक बेटी अपनी माँ की गाँड पर पूरी लगन से क्रीम मल रही थी और अपनी माँ को गाँड मरवाने के लिये तैयार कर रही थी। सिगरेट खतम होने के बाद मैं पलंग पर चड़ा और अपना तन्नाया हुआ लंड मीना चाची के चूत्तड़ों पर फेरने लगा और सोनिया को बोला, *"अब ज़रा मेरे लंड के ऊपर भी क्रीम लगा मेरी जान! अब मैं तेरी मम्मी के भूरे रंग के गाँड के छेद को खोलूँगा। सोनिया ने बड़े ही प्यार से मेरे लंड पर क्रीम लगायी और एक दम चिकना कर दिया।"*

मैंने सोनिया को कहा कि वोह अपने दोनों हाथों से अपनी मम्मी के चूत्तड़ पकड़ ले और खींच कर चौड़े करे ताकि मीना चाची की गाँड का छेद थोड़ा सा खुल जाये। सोनिया ने मेरे कहे अनुसार अपनी मम्मी के दोनों विशाल चूत्तड़ों को पकड़ लिया और चौड़े कर दिये जिससे मीना चाची की गाँड का छेद थोड़ा सा खुल गया। मैंने अपने हाथ से लंड पकड़ा और गाँड के भूरे छेद पर टिका दिया और दूसरे हाथ की उँगलियों से गाँड के छेद को और चौड़ा किया और लंड का सुपाड़ा टिका कर हल्के से झटका दे कर हाथ से मीना चाची की कोरी गाँड में सरका दिया। क्रीम की चिकनाहट के कारण मेरा एक इन्च लंड मीना चाची की गाँड के छल्ले में जा कर फँस गया। मीना

Author Sunil Jain
Devnagari Script By : SINSEX

चाची बोलीं, *"सुनील बहुत दर्द कर रहा है बाहर निकाल लो।"* मैंने कहा, *"मीना घबराओ नहीं। आराम-आराम से दूँगा। बस तुम हिम्मत कर के लंड लेती रहो।"* इतना बोल कर मैंने सोनिया को इशारा किया कि वोह अपनी माँ की गाँड एक दम कस कर पकड़ ले। सोनिया ने भी मेरा कहना माना और मैंने अपने दोनों हाथों से मीना चाची की कमर पकड़ ली और ज़ोरदार झटका मारा जिससे चिकनाहट होने के कारण मेरा लंड सरकते हुए पूरा सात इन्च मीना चाची की गाँड में समा गया। मीना चाची को तो जैसे बिजली का शॉक लग गया हो। अगर सोनिया ने उनके चूतड़ और मैंने उनकी कमर कस कर नहीं पकड़ी होती तो शायद मीना चाची मेरा लंड निकाल देतीं पर बेचारी मजबूर थी सिवाये कसमसाने के और गालियाँ देने के अलावा वोह कुछ भी नहीं कर सकती थीं।

मैंने भी बिना कुछ परवाह किये बिना अपना पूर लंड मीना चाची की गाँड में उतार कर ही दम लिया और हल्के-हल्के शॉट देने लगा। मीना चाची तो दर्द के मारे पागल हो गयी थी और बोले जा रही थीं, *"अरे मादरचोद, भोसड़ी वाले मार डाला रे। तेरी माँ का भोसड़ा मादरचोद! अगर मुझे मालूम होता कि गाँड मरवाने में इतना दर्द होता है तो बहन के लंड तुझे छूने भी ना देती। बहनचोद मैं ज़िंदगी भर तुझे जैसे कहेगा वैसे ही चुदवाऊँगी और चूसूँगी। तू जिसको बोलेगा मैं उसको चुदवा दूँगी तेरे से। मुझे छोड़ दे माँ के लौड़े। हाय मेरी माँ! फट गयी मेरी गाँड। मादरचोद सत्यानाश कर दिया तूने आज मेरी गाँड का। आज तक मैंने बड़े प्यार से बचा कर रखी थी।"* मीना चाची बोलती रहीं पर अब मैं ताव में आ चुका था और हुमच-हुमच कर अपना लंड गाँड में पेल रहा था। मीना चाची को भी अब अच्छा लगने लगा था क्योंकि अब वोह कह रही थीं, *"मारले मेरे बलम! मारले अपनी चाची की गाँड। हाय हाय! शूरू-शूरू में तो बहुत दर्द हुआ मेरे राजा पर वाकय में अब बहुत मज़ा आ रहा है। सोनिया तू भी सुनील से अपनी गाँड जरूर मरवाईयो।"* करीब बीस पच्चीस मिनट तक मीना चाची की गाँड मारने के बाद मैंने अपना रस मीना चाची की गाँड में ही निकाल दिया।

दोस्तों! उस दिन के बाद महीने भर जब तक चाचा नहीं आये, मैंने उन दोनों माँ-बेटी को एक ही बिस्तर पर एक साथ नंगा करके खूब भोगा। चाचा के आने के बाद, मीना चाची को दिन में जब भी समय मिलता, एक बार तो चुदवा ही लेती थी। और मैं हर रोज़ सोनिया के साथ सोता था और हम दोनों जम कर चुदाई करते थे। मीना चाची ने और सोनिया ने अपनी सहेलियों का भी खूब मज़ा दिलवाया।

मीना चाची और सोनिया के कारण मुझे अलग-अलग औरतों को चोदने का मौका मिला। आशा करता हूं कि आप सब को मेरी आप-बीती सुन कर मज़ा आया होगा।